छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 180 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 11 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

दीगर राज्यों के फरार आरोपियों और संदिग्धों की गुप्त सूचना पुलिस को दें-आईजी

किरायेदारों सहित असामाजिक तत्वों का विशेष अभियान चलाकर सत्यापन करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने संभाग में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने व अपराधों पर रोकथाम सहित अपराधियों की धड़पकड़ के लिये जिलों में निवासरत बाहरी व संदिग्ध किरायेदारों, मुसाफिरों, दीगर राज्यों के फरार आरोपियों व असामाजिक तत्वों का विशेष अभियान चलाकर सत्यापन करने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है। उन्होंने हाल ही में बासेपुर धनबाद (झारखण्ड) निवासी गैंगस्टर साबीर आलम, जो गैंग्स ऑफ बासेपुर का डॉन कहे जाने वाले फहीम खान की मां और मौसी की दिनांक 18 अक्टूबर 2001 को दिन-दहाड़े अपने साथियों के साथ मिलकर की गई हत्या का जिक्र करते हुये

कहा है कि, आरोपी साबीर आलम को उच्च न्यायालय झारखण्ड द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया। इसके बाद से वह झारखण्ड से फरार होकर वर्ष 2013 से मोमिनपुरा अंबिकापुर में बस कम्पनी व सिलाई दुकान के आड़ में अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। हत्या जैसे आरोपी को शरण देने में यहां के लोगों की संलिप्तता पाई गई है। पुलिस महानिरीक्षक ने इसे मामले को संज्ञान में लेते हुये समस्त पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश दिया है कि वे अपने जिला, इकाई में नोडल अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर किरायेदार बाहरी व्यक्तियों, संदिग्ध व्यक्तियों, मुसाफिरों, दीगर राज्यों के फरार आरोपियों के अलावा असामाजिक तत्वों जैसे संदिग्ध व्यक्तियों का विशेष सत्यापन करें।

बीट-वार्डवार अधिकारी/कर्मचारी नामांकित करें

आईजी ने कहा है कि, शहरी थाना क्षेत्र को बीटवार, वार्डवार विभाजित करके नामजद अधिकारी एवं कर्मचारी नामांकित किया जाये। बीट के प्रभारी अधिकारी सभी संदिग्ध बाहरी व्यक्ति, किरायेदारों, होटल-ढाबा एवं ईंट भट्ठा, कारखाना जैसे उद्योगों में काम करने वाले लोगों के निवास स्थान का सत्यापन करें। घुमंतु, फेरीवाले एवं मुसाफिरों की चेकिंग दौरान इनका सत्यापन किया जाये। मकान मालिकों से किरायेदारों की विस्तृत जानकारी ली जाये।

ऐसे मकान मालिकों पर करें विधिसम्मत कार्रवाई

आईजी ने किसी मकान मालिक के द्वारा किरायेदार की संपूर्ण जानकारी देने से इंकार, आना-कानी करने पर संबंधित के विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने कहा है। थाना, चौकी क्षेत्र के निगरानी, गुण्डा बदमाशों एवं जिलाबदर वाले व्यक्तियों की नियमित चेकिंग की जाये। सत्यापन अभियान में इकाई स्तर पर एक राजपत्रित अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाते हुये कृत कार्रवाई की डिटेल रिपोर्ट पुलिस अधीक्षकों के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं।

अपराधी किस्म के व्यक्ति की गोपनीय जानकारी दें

आईजी ने गहन सत्यापन अभियान के दौरान आम जनता से अपील की है कि, सभी अपने अधीनस्थ/संपर्क में रहने वाले लोगों की सही जानकारी देने में पुलिस की मदद करें। यदि उनके संज्ञान में किसी भी प्रकार का कोई संदिग्ध, अपराधी किस्म का व्यक्ति वार्ड, मोहल्ले में निवास कर रहा हो तो उसकी जानकारी गोपनीय तरीके से पुलिस अधिकारी को देने में सहभागिता निभायें।

बाइकर्स गैंग की स्टंटबाजी के बाद 158 दोपहिया वाहन जब्त

शुक्रवार को पुलिस ने सरगुजा जिले में की बड़ी कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुये यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 158 दोपहिया वाहनों को जब्त किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने सभी थाना, चौकी प्रभारियों को बाइकर्स गैंग के विरुद्ध सख्ती से अभियान चलकर कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में जिले के कई थाना क्षेत्रों में पुलिस ने एक साथ कार्रवाई की। नाबालिग वाहन चालकों के स्वजन को बुलाकर समझाइश दी गई, इसके बाद मामला सामने आने पर वैधानिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

बता दें कि बीते दिवस थाना कमलेश्वरपुर अंतर्गत बाइकर्स गैंग की स्टंटबाजी का एक वीडियो सामने आया था। वीडियो में कुछ युवक सड़कों पर खतरनाक स्टंट करते हुए और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते नजर आ रहे थे। उक्त गतिविधियों से पर्यटकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल द्वारा थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर, थाना दरिमा, यातायात शाखा, मणीपुर एवं थाना कोतवाली को बाइकर्स समूह एवं यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों के तहत सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

शुक्रवार को चेकिंग दौरान यातायात शाखा द्वारा कुल 50 वाहन चालक, थाना कमलेश्वरपुर द्वारा 55, थाना दरिमा द्वारा 40, थाना कोतवाली द्वारा 08 एवं थाना मणीपुर द्वारा 05 वाहन चालकों, कुल 158 वाहनों पर कार्रवाई की गई। चेकिंग दौरान नाबालिग वाहन चालकों के परिजनों को पुलिस टीम ने समझाइश देते हुये बिना लाइसेंस के वाहन चलाने के लिये नहीं देने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी है कि, अगर पुनः ये दोपहिया चलाते पाये जाते हैं तो कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। अन्य वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई की गई है। पुलिस का यह अभियान आगे भी निरंतर रहेगा जारी। यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों एवं आमनागरिकों को परेशान करने वाले वाहन चालकों पर लगातार कार्रवाई की जायगी।

इन नंबरों पर दें सूचना, होगी तत्काल कार्रवाई

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने कहा है कि, किसी भी दर्शनीय स्थल या अन्य स्थानों पर बाइकर्स समूह द्वारा सड़क जाम करने अथवा वाहनों के साइलेंसर से तेज आवाज निकालकर परेशान करने संबंधी सूचना तत्काल सरगुजा पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 9479193599 अथवा डॉयल 112 में फोन करके दें। प्राप्त सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जायेगी, सूचक का नाम गोपनीय रहेगा।

बाड़ी में सब्जी तोड़ रही महिला को जाड़ा सांप डसा, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाड़ी में सब्जी तोड़ते समय महिला को जहरीले सांप ने काट लिया, नौवें दिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के रामानुजगंज थाना अंतर्गत ग्राम सेंदुरिया विजयनगर निवासी फूलकुंवर श्रीवास्तव पति दिनेश श्रीवास्तव 44 वर्ष, बीते एक जुलाई को विजय सिंह और एक अन्य मजदूर के साथ घर के बाजू में स्थित बाड़ी में, सुबह करीब 9 बजे भिंडी सब्जी तोड़ रही थी। इसी दौरान उसे जाड़ा सांप डस लिया, इसकी जानकारी वह चिल्लाकर भिंडी तोड़ रहे अन्य लोगों को दी। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग पहुंचे, और सांप को मारने के बाद महिला को निजी वाहन से रामानुजगंज स्वास्थ्य केन्द्र ले गये। यहां से रेफर करने बलरामपुर जिला अस्पताल होते मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर पुहंचे। यहां इलाज के दौरान 9 जुलाई को देर रात 1.44 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

'ऑपरेशन क्लीन' का बड़ा प्रहार, 3528 नशीले कैप्सूल जब्त

सीतापुर क्षेत्र से नशे के सौदागर, मामा-भांजा की जोड़ी गई जेल

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की सिलसिलेवार कार्रवाई जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नशे के सौदागरों के खिलाफ संभागीय आबकारी उड़नदस्ता, सरगुजा ने शुक्रवार को एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत टीम ने 3528 नग नशीला कैप्सूल जब्त करके सीतापुर क्षेत्र के 2 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है, जो मामा-भांजा की जोड़ी है।

जानकारी के मुताबिक, सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी उड़नदस्ता टीम 10 जुलाई को सीतापुर क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम केसला, थाना सीतापुर

निवासी सजाद अली अपने घर में भारी मात्रा में नशीला कैप्सूल रखकर बेच रहा है।

घर से निकली बड़ी नशे की खेप

सूचना की पुष्टि होते ही टीम ने सजाद अली के घर पर छापामार कार्रवाई की। सजाद घर पर ही मौजूद मिला। तलाशी के दौरान उसके शयन कक्ष में एक सफेद प्लास्टिक की बोरी मिली। बोरी में 441 स्ट्रिप में कुल 3528 नग स्पास्मो प्रोक्सीवॉन प्लस कैप्सूल मिला। सभी कैप्सूल को जब्त कर लिया गया।

मामा-भांजा दोनों सलाखों के पीछे

पूछताछ में सजाद अली ने बड़ा खुलासा किया, उसने बताया कि ये नशीली खेप धेलसरा निवासी महबूब खान का है, जो रिश्ते में उसका भांजा लगता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए आबकारी टीम ने तुरंत धेलसरा में महबूब खान के घर भी दबिश दी और उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

इन धाराओं के तहत कार्रवाई

दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22सी व 29 के तहत अपराध दर्ज किया गया। शुक्रवार को दोनों को विशेष न्यायालय नार्कोटिक्स, अंबिकापुर में पेश करके रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया है।

कार्रवाई टीम में यह रहे शामिल

पूरी कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में की गई। टीम में मुख्य आबकारी आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडेय, रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

'ऑपरेशन क्लीन लगातार जारी रहेगा। नशे के सौदागर चाहे जितने शातिर हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। युवा पीढ़ी को नशे से बचाना हमारी प्राथमिकता है।' नशीले कैप्सूल का अवैध कारोबार युवाओं को बर्बाद कर रहा है। अगर कोई नशे का कारोबार करता दिखे तो इसकी गोपनीय सूचना दें, ताकि आरोपियों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके।

रंजीत गुप्ता, सहायक जिला आबकारी अधिकारी

सात वर्ष से फरार स्थाई वारंटी सहित 3 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना लखनपुर पुलिस टीम ने 03 स्थाई वारंट तामिल करके मारपीट के अलग-अलग मामले में 7 वर्ष एवं 2 वर्ष पूर्व से जारी स्थायी वारंट पर कार्रवाई करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल द्वारा जिले के सभी थाना, चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में लंबित स्थाई वारंट, गिरफ्तारी वारंट की तामिली कर वर्षों से फरार चल रहे वारंटियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने केस नंबर 1762/19 धारा 294, 506, 323, 34 भा.द.वि. के मामले में फरार चल रहे आरोपी विनोद कुमार मरावी पिता तिवारी 29 वर्ष निवासी जमगला को गिरफ्तार किया। आरोपी के उपस्थित नहीं होने पर न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था। इसी क्रम में केस नंबर 8937/25 धारा 296(3), 351(2), 115(2), 3(5) बी.एन.एस. के मामले में फरार आरोपी अर्जुन सिंह पिता मनोहर सिंह 20 वर्ष एवं अजय सिंह पिता मधु सिंह 21 वर्ष दोनों निवासी पुहपुटरा के प्रकरण में उपस्थित नहीं रहने पर न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था। थाना लखनपुर पुलिस टीम ने फरार चल रहे स्थाई वारंटियों को पकड़कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। स्थाई वारंट तामिली में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, प्रधान आरक्षक प्रवीण चंद तिवारी, आरक्षक विजय पैकरा, सोहन राजवाड़े सक्रिय रहे।

गौ सेवा मंडल के 9 वर्ष पूर्ण, गड्ढे से कचरे तक गौवंश को बचाने में जुटे सेवक

18,000 से अधिक बेजुबान पशुओं का रेस्क्यू, 30,000 से अधिक का मौके पर उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में निःस्वार्थ सेवा का दूसरा नाम अगर कोई है तो वह है 'गौ सेवा मंडल'। गौवंश की रक्षा और संवर्धन के संकल्प के साथ शुरू हुआ ये सफर 10 जुलाई को 9 वर्ष पूरे कर चुका है। 9 साल में हजारों गौवंशों को नया जीवन देने वाले इस मंडल का काम सच में बोलता है। इस दौरान स्वयंसेवकों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूमकर निराश्रित गौवंश को हरा चारा खिलाया तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से उनके गले में रेडियम बेल्ट भी बांधा। गौ सेवा मंडल की स्थापना से अब तक संस्था ने 18,000 से अधिक गौवंश एवं अन्य बेजुबान पशुओं का सफल रेस्क्यू किया है। इसके अतिरिक्त 30,000 से अधिक घायल एवं बीमार गौवंश तथा अन्य बेजुबान पशुओं का मौके पर ही उपचार करके उन्हें स्वस्थ किया गया है।

शहर की भागदौड़ के बीच जब लोग अपनी धुन में मस्त रहते हैं। सड़क किनारे, गड्ढे, असुरक्षित सेप्टिक टैंक में, या किसी

दुर्घटना में घायल पड़ी गौ माता नजर भी आ जाये, कई आंखें उन्हें निहारते निकल लेती हैं। कईयों की सोच तो इसकी सूचना संचार या अन्य माध्यमों से ऐसे लोगों तक पहुंचाने की भी नहीं होती है, ताकि गौवंश को सुरक्षित किया जा सके। इधर शहर के युवाओं की टीम गौ सेवा मंडल के नाम को साकार करने में लगी है। इन्हें बस सूचना मिलने का इंतजार रहता है, और ये एक फोन पर बीमार या गड्ढे में गिरे गौवंश को खतरे के बीच भी निकालने के लिये पहुंच जाते हैं। रोजाना इनके काम की शुरूआत घायल, बीमार गौवंश के इलाज और चारा-पानी जैसे सेवा से होती है। गौ सेवा मंडल ने अपने कार्यों की बदौलत शहर के लोगों के बीच एक अलग ही पहचान बना ली है। कोरोना महामारी के दौरान, जब अधिकांश लोग घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे थे, तब भी इनकी सेवा निरंतर जारी रही। संस्था ने अपने प्रारंभिक सेवा कार्यों के दौरान जरूरतमंद लोगों के लिए रोटी एवं अचार वितरण का कार्य भी किया। गौ सेवा मंडल सरगुजा ने अपने सभी सदस्यों, सहयोगियों, दानदाताओं एवं शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि आप सभी के सहयोग, विश्वास और समर्पण से ही संस्था ने सेवा के गौरवपूर्ण 9वां वर्ष पूर्ण किया है। गौ सेवा मंडल ने विश्वास व्यक्त किया है कि भविष्य में भी समाज का सहयोग एवं मार्गदर्शन इसी प्रकार मिलता रहेगा।

बेजुबान पशुओं को चारा, भोजन एवं बिस्किट खिलाया-गौ सेवा मंडल के स्वयंसेवकों ने सफल 9 वर्ष पूर्ण होने पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर गायों, कुत्तों एवं बिल्लियों सहित निराश्रित बेजुबान पशुओं को चारा, भोजन एवं बिस्किट उपलब्ध कराया, ताकि कोई भी जीव भूखा न रहे। भीषण गर्मी के मौसम में शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं उन स्थानों पर, जहां बड़ी संख्या में गौवंश रहते हैं, पानी का नाद रखवाया, ताकि इनकी प्यास बुझ सके। साथ ही नागरिकों से अपने आसपास के निराश्रित पशुओं के लिए पानी एवं चारे की व्यवस्था करने की अपील की।

मूक प्राणियों की निःस्वार्थ सेवा का जुनून-गौ सेवा में लगे युवाओं की रोजाना हाथ में दवाई और मरहम लेकर गौ वंश को गड्ढे से निकालने के बाद मरहम-पट्टी करने जैसी कई तस्वीरें देखने को मिल जाती हैं। जरूरत के अनुरूप इन्हें इंजेक्शन और भूखे-प्यासे गौ वंश को चारा-पानी देकर ये संतुष्टि महसूस करते हैं। ना कोई शोर, ना कोई प्रचार, सिर्फ निःस्वार्थ सेवा का जुनून इनमें रहता है। जब समाज के लोग इनके काम को देखते हैं, तो दिल अपने आप पिघल जाता है। मदद के लिये स्वस्फूर्त लोग आगे आने लगते हैं। कोई चारे के लिए मदद करता है, कोई इलाज के खर्च के लिए। क्योंकि यहां नाम नहीं, काम बोलता है, और ये काम ही लोगों में जनसहयोग की भावना प्रबल करता है।

धूप में जलते हैं, कीचड़ में सनते हैं पर गौ माता का दर्द मिटाकर ही दम लेते हैं

गौ सेवा मंडल के गौ सेवक बिना बोले, बिना थके, मूक प्राणियों की सेवा में लगे रहते हैं। रात के 12 बजे हों, या दोपहर की तपती धूप, फोन की घंटी बजी नहीं कि निकल पड़े गंतव्य की ओर। आज के जमाने में, जब लोग एक दूसरे की मदद नहीं करते, ऐसे में ये लोग बिना खून के रिश्ते वाले मूक प्राणियों को प्यार भरी थपकी देते नजर आते हैं। इनका ग्लैमर, तालियों की गड़गड़ाहट से नहीं, सिर्फ सेवा और समर्पण के भाव से वास्ता रहता है। शहर के लोग जब इनमें सेवा भाव के जज्बा को देखते हैं, तो पत्थर दिल भी मोम हो जाता है। मदद के लिये लोग हाथ बढ़ाते हैं। गौ सेवा मंडल के हर उस योद्धा को 'छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन' परिवार का सलाम, जो धूप में जलते हैं, कीचड़ में सनते हैं पर गौ माता का दर्द मिटाकर ही दम लेते हैं। गौ बचेगी, तभी संस्कृति बचेगी, गौ बचेगी, तभी हम बचेंगे, इसे साकार कर रहा है गौ सेवा मंडल।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डीएवी स्कूल में नेशनल स्पोर्ट्स मीट में क्लस्टर स्तरीय स्पर्धा आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के डीएवी पब्लिक स्कूल शनिवार 11 जुलाई को डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट 2026 की मेजबानी करने जा रहा है। सुबह 9 बजे होने वाले उद्घाटन समारोह के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। इस आयोजन को लेकर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और विद्यार्थियों, अभिभावकों व खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। खेल महोत्सव में विभिन्न डीएवी विद्यालयों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दौड़, एथलेटिक्स सहित कई खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी जीत का परचम लहराने के लिए मैदान में उतरेंगे। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक एवं डीएवी पब्लिक स्कूल की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह होंगे।विद्यालय की प्राचार्य अनामिका भारती ने कहा कि डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त मंच है। खेल बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सीजी जोन बी की मैनेजर एवं एआरओ मोल्लिका मुखर्जी तथा डीएवी पब्लिक स्कूल्स सीजी जोन के रीजनल ऑफिसर प्रशांत कुमार भी अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट 2026 के आयोजन से बिश्रामपुर एक बार फिर खेल गतिविधियों का केंद्र बनने जा रहा है।

हर बच्चे की शिक्षा और भविष्य के निर्माण में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण : रामविचार

★ जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में कृषि मंत्री हुए शामिल ★ नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत एवं मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित ★ सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत कक्षा 9वीं की छात्राओं को वितरित की गई की साइकिलें ★ बलरामपुर और रामानुजगंज को मिली इंडोर स्टेडियम की सौगात, खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया आयाम

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आदिम जाति कल्याण व कृषि विभाग के मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में नगर पालिका रामानुजगंज में लरंगसाय कम्युनिटी हाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, स्कूल बैग एवं गणवेश प्रदान किया गया। साथ ही कक्षा 9वीं में प्रवेशित छात्राओं को सरस्वती सायकल योजनान्तर्गत सायकल प्रदान किया गया। साथ ही क्षेत्र में 10वीं एवं 12वीं में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया

शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूली बालिकाओं द्वारा मनमोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात बालिकाओं ने बालिका शिक्षा के महत्व, समान अवसर और शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देती हुई नाट्य प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को बालिकाओं की शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें विद्यालय से जोड़ने का संदेश दिया। एकलव्य आवासीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा छत्तीसगढ़ी पारम्परिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिम जाति विभाग, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि हाई स्कूलों को स्मार्ट क्लास की सुविधा से सुसज्जित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यालय जिले सहित प्रदेश स्तर पर भी शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेंगे।उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रदेश सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में विकास की मजबूत नींव रखी गई है। क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं संपर्क मार्गों का विस्तार और उन्नयन किया जा रहा है तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत भी तेजी से कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है, जिनमें बलरामपुर और रामानुजगंज में इंडोर गेम्स की सुविधा विकसित करने के लिए इंडोर स्टेडियम की भी स्वीकृति शामिल है। इस दौरान मंत्री श्री नेताम ने रामानुजगंज में 500 सीटर ऑडिटोरियम के निर्माण की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने कहा कि कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के नए भवन की स्वीकृति शीघ्र दिलाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।

उन्होंने अतिक्रमण हटाने पर जोर देते हुए आम नागरिकों से शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को स्वेच्छा से हटाने का आग्रह किया, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी अतिक्रमण भूमि को मुक्त करने के निर्देश दिए

नगरपालिका अध्यक्ष श्री रमन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मंत्री श्री रामविचार नेताम जी के प्रयासों से बलरामपुर एवं रामानुजगंज में इंडोर स्टेडियम की स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हिरामुनि निकुंज, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती शीला जायसवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह, उपाध्यक्ष सुनील तिवारी, जिला पंचायत सदस्य मुंशी राम सांडिल्य एवं श्री बद्री यादव, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, एसडीएम श्री आनंद राम नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रणवीर साय, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

जमीन विवाद पर तलवार लहराकर बहु को धमकाया, चाचा ससुर पर जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के बसदेई चौकी क्षेत्र के ग्राम बांसापारा में खेत की जमीन को लेकर हुए विवाद में चाचा ससुर ने तलवार लहराकर अपनी बहू को धमकाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके चाचा-ससुर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताया गया है कि बीते गुरुवार को दोपहर में महिला अपने बेटे और बेटी के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत में जोताई-बुवाई कराने पहुंची थी। इसी दौरान उसका चाचा-ससुर लक्ष्मण देवांगन अपनी पत्नी के साथ मौके पर पहुंचा और हाथ में तलवार लहराते हुए जमीन को अपनी बताते हुए किसी को भी खेत में कदम रखने पर जान से मारने की धमकी देने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज भी किया और झगड़ा करने पर उतारू था। महिला का यह भी कहना है कि विवादित जमीन का सीमांकन पहले ही राजस्व और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हो चुका है, इसके

बावजूद आरोपी उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर खेती कर रहा है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी तलवार लहराता दिखाई दे रहा है। शिकायत के आधार पर बसदेई पुलिस ने आरोपी लक्ष्मण देवांगन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 351(3) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

अमृत सरोवर परिसर में चला स्वच्छता अभियान, जनप्रतिनिधि व ग्रामीणों ने किया श्रमदान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में शुक्रवार को जिले के रामानुजनगर क्षेत्र के ग्राम भुवनेश्वरपुर में एसडीएम के नेतृत्व में पंचायत भवन एवं अमृत सरोवर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों, बिहान की स्वच्छाग्रही दीदियों तथा स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की।

स्वच्छता अभियान में जनपद उपाध्यक्ष एवं सदस्य, पूर्व बीडीसी, सरपंच, पंच, बीएमओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।इस दौरान जिन लोगों द्वारा अपने घरों एवं दुकानों के सामने कचरा फेंका गया था, उन्हें भी मौके पर बुलाकर स्वच्छता अभियान में शामिल किया गया। साथ ही उन्हें भविष्य में खुले स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने तथा स्वच्छता बनाए रखने की समझाइश दी गई। अभियान के अंत में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा अपने घर, गांव और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया।

सीएमपीएफओ पर 7.6 प्रतिशत ब्याज दर लागू, यूनियनों के विरोध के बावजूद जारी हुआ आदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयला कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के आर्थिक हितों से जुड़े कोल माइंस प्रोविडेंट फंड की ब्याज दर को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चा के बीच आखिरकार कोयला खान भविष्य निधि संगठन ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7.6 प्रतिशत ब्याज दर लागू करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। 8 जुलाई को जारी इस आदेश ने कर्मचारी संगठनों और ट्रेड यूनियनों के बीच नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही 3 जुलाई को वाराणसी में आयोजित न्यासी बोर्ड की 186 वीं बैठक में इस प्रस्ताव का विरोध दर्ज कराया गया था।सीएमपीएफओ द्वारा जारी पत्र के अनुसार भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने 30 जून 2026 के पत्र के माध्यम से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7.6 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी प्रदान कर दी थी। मंत्रालय की स्वीकृति मिलने के बाद संगठन ने सभी बोर्ड सदस्यों को पत्र जारी कर कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों में इसी दर से ब्याज जमा करने की प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार 186 वीं न्यासी बोर्ड बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर को 7.7 प्रतिशत से घटाकर 7.6 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा गया था। इस प्रस्ताव पर कर्मचारी संगठनों और विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों ने कड़ा विरोध जताया था। उनका स्पष्ट कहना था कि महंगाई और बढ़ती जीवन-यापन लागत के बीच कर्मचारियों के हितों में कटौती स्वीकार नहीं की जा सकती।

बैठक के दौरान यह भी कहा गया था कि इस विषय पर कोयला सचिव वित्त मंत्रालय से चर्चा करेंगे, जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। ऐसे में अधिकांश कर्मचारी संगठनों को उम्मीद थी कि विरोध और सुझावों पर पुनर्विचार होगा, लेकिन 8 जुलाई को आदेश जारी होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। आदेश जारी होने के बाद कर्मचारी संगठनों और पेंशनभोगियों के बीच असंतोष का माहौल देखा जा रहा है। उनका कहना है कि न्यासी बोर्ड की बैठक में उठाई गई आपत्तियों और सुझावों को अपेक्षित महत्व नहीं दिया गया। उनका आरोप है कि जिस विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श और आगे चर्चा की बात कही गई थी, उस पर इतनी जल्दी अंतिम आदेश जारी कर देना कर्मचारियों की भावनाओं के विपरीत है। ब्याज दर के मुद्दे के साथ-साथ कर्मचारी संगठनों ने सीएमपीएफओ की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि संगठन में लंबे समय से सूचना उपलब्ध कराने और डिजिटल सेवाओं को लेकर कई कमियां बनी हुई हैं। संगठनों के अनुसार सीएमपीएफओ की वेबसाइट समय पर अपडेट नहीं होती।

वार्षिक एवं मासिक रिपोर्ट नियमित रूप से सार्वजनिक नहीं की जाती। पेंशनभोगियों की वास्तविक संख्या और अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं रहती।

पिछले तीन वर्षों से ऑनलाइन सेवाओं को आधुनिक बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन वेबसाइट और डिजिटल सुविधाओं की स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यदि न्याय बोर्ड की बैठक में ब्याज दर को लेकर व्यापक विरोध दर्ज हुआ था और मामला आगे विचार के लिए छोड़ा गया था, तो फिर 7.6 प्रतिशत ब्याज दर लागू करने का आदेश इतनी शीघ्र कैसे जारी कर दिया गया। इसे लेकर अब यूनियनें बोर्ड के कर्मचारी प्रतिनिधियों से भी सक्रिय भूमिका निभाने और पूरे घटनाक्रम पर स्पष्ट जवाब देने की मांग कर रही हैं। अब 7.6 प्रतिशत ब्याज दर लागू होने के बाद सभी की निगाहें कर्मचारी संगठनों, ट्रेड यूनियनों और न्यासी बोर्ड के सदस्य प्रतिनिधियों पर टिकी हैं कि वे इस फैसले को लेकर आगे क्या रणनीति अपनाते हैं और क्या इस मुद्दे पर पुनर्विचार की कोई संभावना बनती है।

लंबित वेतन निर्धारण, पेंशन एवं समयमान प्रकरणों के निराकरण हेतु 22 जुलाई को विशेष शिविर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में लंबित वेतन निर्धारण, पेंशन एवं समयमान प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 22 जुलाई 2026 को संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, अम्बिकापुर की उपस्थिति में लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर उनका निराकरण किया जाएगा। शिविर के माध्यम से कर्मचारियों एवं पेंशनरों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जिला कोषालय अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों, पेंशनरों एवं कार्यालय प्रमुखों से अपील की है कि वे अपने लंबित वेतन निर्धारण, पेंशन एवं समयमान से संबंधित प्रकरणों के आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित तिथि एवं समय पर शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण अवश्य कराएं।

बेलसोता नाला पर बनेगा 3.71 करोड़ का उच्चस्तरीय पुल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कैलाशपुर-राजापुर मार्ग पर स्थित बेलसोता नाला पर बरसात के दिनों में दो वर्षों से बनने वाली विकट स्थिति अब जल्द ही अतीत बन सकती है। लंबे समय से ग्रामीणों की मांग रहे उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग ने पहल करते हुए 3 करोड़ 71 लाख 17 हजार रूपए का प्राक्कलन तैयार कर शासन को प्रशासकीय स्वीकृति के लिए भेज दिया है। यदि प्रस्ताव को हरी झंडी मिलती है तो यह परियोजना हजारों ग्रामीणों के लिए राहत का बड़ा माध्यम साबित होगी। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कैलाशपुर-राजापुर के मध्य स्थित बेलसोता नाला पर करीब 22 साल पहले वर्ष 2003 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस पुल का निर्माण किया गया था। यह पुल आसपास के दर्जनों गांवों के लिए विकास की जीवनरेखा था। लेकिन 23 जुलाई 2025 को हुई मूसलाधार बारिश में उक्त पुल क्षतिग्रस्त हो गई। पुल के टूटते ही गांवों का शहर से संपर्क भी टूट गया। आज हालत यह है कि गर्मी के दिनों में जब घुनघुटा नदी सूख जाती है, तब ग्रामीण किसी तरह अस्थायी रास्ते बनाकर आवागमन कर ले रहे हैं। लेकिन जैसे ही बारिश का

कैलाशपुर-राजापुर मार्ग की परेशानी होगी दूर

मौसम दस्तक देता है, पानी का तेज बहाव इन रास्तों को निगल जाता है। जिससे करीब एक दर्जन गांव पूरी तरह टापू में तब्दील हो जाते हैं। इस पुल के टूटने का सबसे दर्दनाक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। कैलाशपुर हाई स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं बारिश के दिनों में घरों में कैद हो जाते हैं। कई बच्चे तो मजबूरी में पढ़ाई छोड़ने की कगार पर पहुंच गए हैं। बेलसोता नाला पुल के टूटने से शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी से दर्जन भर से अधिक गांवों के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।लोगों की समस्याओं को लेकर गत दिनों कांग्रेस

जिलाध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर उक्त स्थल पर नए पुल निर्माण कराए जाने की मांग की गई थी। इसी तारतम्य में कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु परिक्षेत्र, रायपुर द्वारा जारी पत्र में प्रमुख अभियंता, निर्माण भवन, नवा रायपुर को भेजे गए प्रस्ताव में बताया गया है कि यह कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। परियोजना के लिए बजट मांग संख्या 42/5054 (4149) अंतर्गत मद क्रमांक 5659 में 20 लाख रुपए का प्रारंभिक प्रावधान भी किया गया है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार परियोजना का तकनीकी अनुमोदन संबंधित समिति द्वारा पहले ही प्रदान किया जा चुका है। अब केवल प्रशासकीय स्वीकृति मिलना शेष है। स्वीकृति के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। अब 3.71 करोड़ रुपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल निर्माण का प्रस्ताव शासन की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि शासन जल्द प्रशासकीय स्वीकृति जारी करेगा, ताकि वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण शुरू हो सके। ग्रामीणों का मानना है कि यह पुल केवल दो गांवों को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास और सुरक्षित आवागमन की नई राह खोलेगा।

आमजन को होगा सीधा लाभ

उच्चस्तरीय पुल बनने से कैलाशपुर, राजापुर सहित आसपास के गांवों के किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी। स्कूल-कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों को बरसात में होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी। वहीं व्यापारिक गतिविधियों और ग्रामीण परिवहन को भी नई गति मिलेगी।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पुलिस ने किया वृहद एकता वृक्षारोपण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस द्वारा जिलेभर में वृहद एकता वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालयों, पुलिस लाईन व 23 थाना-चौकी परिसर में एक हजार से अधिक पौधों का रोपण किया। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं जनसहभागिता का संदेश दिया। अभियान के दौरान एएसपी योगेश देवांगन, पुलिस राजपत्रित अधिकारी सहित थाना-चौकी प्रभारियों व जवानों के द्वारा बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करते हैं। उनकी 150वीं जयंती के अवसर पर लगाए गए ये एकता वृक्ष आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे। प्रत्येक पौधे की देखभाल का संकल्प लेते हुए सभी पुलिस अधिकारी व जवानों ने इन्हें नियमित रूप से सुरक्षित एवं विकसित करने का भी वचन दिया। वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि स्वच्छ हवा, जल संरक्षण, जैव विविधता और स्वस्थ भविष्य की आधारशिला भी हैं। यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण योगदान होगा।

करवां में नवप्रवेशी बच्चों को दिलाया गया संकुल स्तरीय प्रवेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवां में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगा माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत कर

उन्हें विद्यालय में प्रवेश दिलाया गया। बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए गए। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि जनपद सदस्य दशरथ सिंह एवं सरपंच श्रीमती निरुपा सिंह का स्कूल प्रबंधन द्वारा स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने बीड़ीसी दशरथ सिंह ने कहा कि शिक्षा से समाज की दशा एवं दिशा दोनों को गति मिलती है। शिक्षा को समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को नियमित रूप से विद्यालय आना चाहिए तथा उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और शासन की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।प्राचार्य श्रीमती मीरा सिंह ने नवप्रवेशी बच्चों को मन लगाकर पढ़ने एवं नियमित रूप से विद्यालय आने प्रेरित कर शुभकामनाएं दी। इस दौरान विद्यालय के शाला प्रबंध समिति अध्यक्ष ललन सिंह, सीता राम कुशवाहा, शिक्षक सतीश कुमार भारद्वाज, मो. मोबिउद्दिन अंसारी, बहादुर राजवाड़े, राजेश सिंह, जॉन एडविन सहित संकुल स्तरीय विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र छात्राएं व अभिभावक उपस्थित थे।

किसानों को राहत देने धान खरीदी केंद्रों में बनेगा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर

बलौदाबाजार और सिमगा के 30 से अधिक गांवों में शेड-सह-चबूतरा निर्माण को मंजूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने बलौदाबाजार जिले के ग्रामीण अंचलों में धान खरीदी व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और किसान हितैषी बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिला खनिज न्यास निधि से जिले के धान उपार्जन केंद्रों में बड़े पैमाने पर शेड-सह-चबूतरा निर्माण के कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह पहल विशेष रूप से बलौदाबाजार और सिमगा विकासखंड के उन हजारों किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी, जो हर खरीफ सीजन में अपनी फसल बेचने इन केंद्रों पर पहुंचते हैं। प्रशासनिक आदेश के अनुसार जिले के 30 से अधिक धान उपार्जन केंद्रों की तस्वीर बदलने के लिए प्रत्येक केंद्र को 10 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिसकी आधिकारिक मंजूरी 23 जून 2026 को जारी की गई।

यह निर्माण नहीं, किसान सुविधा का विस्तार है : टंक राम वर्मा

इस जनहितैषी पहल पर बात करते हुए राज्य के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करने और खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। धान उपार्जन केंद्रों में शेड और चबूतरों का निर्माण केवल एक ढांचागत काम नहीं, बल्कि किसान सुविधा का बुनियादी विस्तार है। ऊटऋ निधि का मुख्य उद्देश्य ही खनिज प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जिससे जनता को सीधा लाभ मिले। इस अधोसंरचनात्मक सुधार से केंद्रों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और किसानों को एक बेहतर व सुविधाजनक माहौल मिलेगा।

इन क्षेत्रों के किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

इस योजना के तहत सिमगा विकासखंड के सकरी, भटभेरा, गोरदी, जांगड़ा, केसली, हिरमी, सुहेला, सकलोर, शिकारी-केसली, रावन, मोहरा, बिटकुली, नवापारा, फूलवारी, फरहदा, जरौद और हथबंद जैसे प्रमुख केंद्रों में निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसी तरह बलौदाबाजार विकासखंड के सकरी, लटुवा, रिसदा, रसेड़ा, मोहतरा, कुकुरदी, बलौदाबाजार, धंवई, सलौनी, देवरी, दशरमा, खम्हरिया (चांपा), करमदा और अजुर्नी के उपार्जन केंद्रों का भी कायाकल्प किया जाएगा।

खुले में धान रखने की मजबूरी से मिलेगी मुक्ति

अब तक पुख्ता इंतजाम न होने के कारण किसानों को अपनी मेहनत की उपज खुले आसमान के नीचे रखनी पड़ती थी, जिससे अचानक होने वाली बारिश, तेज धूप और जमीन की नमी से धान खराब होने का खतरा हमेशा बना रहता था। अब नए शेड और ऊंचे चबूतरों के बन जाने से फसल पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। इसके साथ ही केंद्रों पर तौल (तुलवाई) और बोरियों के भंडारण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी, जिससे कामकाज में तेजी आएगी और किसानों को अपनी बारी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

डोंगाकोहरौद बस्ती मार्ग निर्माण के लिए 605.09 लाख स्वीकृत

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत पामगढ़झलाहौद मार्ग स्थित डोंगाकोहरौद बस्ती तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 605.09 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के तहत 4.337 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। यह मार्ग लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। सड़क निर्माण से डोंगाकोहरौद बस्ती सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वर्षभर सुरक्षित, सुगम और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। नई सड़क बनने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उपज के परिवहन तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

भाजपा सरकार कर रही सोलर उपभोक्ताओं के साथ ठगी : कन्हैया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने राज्य सरकार द्वारा सोलर बिजली की खरीदी दर घटाए जाने के फैसले का विरोध करते हुए इसे सोलर उपभोक्ताओं के साथ अन्याय और ठगी करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर आम उपभोक्ताओं को महंगी बिजली बेच रही है, जबकि दूसरी ओर सोलर उपभोक्ताओं से कम दर पर बिजली खरीदने की तैयारी कर रही है। कन्हैया अग्रवाल ने जारी बयान में कहा कि पहले सोलर उपभोक्ताओं से बिजली की खरीदी 2.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से की जाती थी, जिसे घटाकर 1.94 रुपये प्रति यूनिट करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने इसे सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं के साथ धोखा बताते हुए कहा कि इससे लोग सोलर पैनल लगाने के प्रति हतोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार औसतन करीब 6 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली बेच रही है, ऐसे में सोलर उत्पादकों से इतनी कम कीमत पर बिजली खरीदना उचित नहीं है। उनके अनुसार यह निर्णय राज्य में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के बजाय उसे कमजोर करने वाला कदम है। कांग्रेस नेता ने सरकार से इस फैसले को तत्काल वापस लेने और सोलर बिजली खरीदी की पुरानी दर बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए खरीदी दरों में वृद्धि की जानी चाहिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने निर्णय वापस नहीं लिया तो कांग्रेस सोलर उपभोक्ताओं के हित में आंदोलन करेगी।

जल जीवन मिशन से बदली बिरहीपानी की तस्वीर, 129 घरों तक पहुंचा स्वच्छ पानी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जशपुर जिले के जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित सीमांत ग्राम बिरहीपानी में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। अब गांव के सभी 129 घरों में नल के माध्यम से नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। घने जंगलों से घिरे और भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम इस गांव में लंबे समय तक मूलभूत सुविधाओं का समुचित विकास नहीं हो पाया था। जल जीवन मिशन से पहले ग्रामीण अपनी पेयजल आवश्यकताओं के लिए हैंडपंप, कुएं और ढोढ़ी जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों पर निर्भर थे। गर्मी के मौसम में इन स्त्रोतों का जलस्तर घट जाने से पेयजल संकट गहरा जाता था और ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। असुरक्षित जल के उपयोग से जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता था। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम बिरहीपानी में संगठित पाइप जल प्रदाय प्रणाली विकसित की गई। योजना के तहत चार उच्च स्तरीय जलागारों का निर्माण किया गया तथा पूरे गांव में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाया गया। इसके माध्यम से गांव के सभी 129 परिवारों को क्रियाशील फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध कराए गए हैं। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। प्रत्येक परिवार को घर-घर नल से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। इससे महिलाओं के समय और श्रम की उल्लेखनीय बचत हुई है तथा वे अब परिवार की देखभाल, बच्चों की शिक्षा और आजीविका संबंधी गतिविधियों में अधिक समय दे पा रही हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है और बच्चों की विद्यालयों में नियमित उपस्थिति भी बढ़ी है। योजना के दीर्घकालिक संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम स्तर पर जल एवं स्वच्छता समिति का गठन किया गया है। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से जलापूर्ति व्यवस्था का सफल संचालन किया जा रहा है, जिससे योजना की सतत उपयोगिता हो रही है।

छत्तीसगढ़ में अगले 4 दिन बारिश के आसार, कई जिलों में येलो अलर्ट जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे देश को कवर कर लिया है, लेकिन छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर अभी भी सामान्य से कमजोर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के उत्तर और मध्य हिस्सों में बारिश की गतिविधियां कम रहीं, जबकि दक्षिणी जिलों में मध्यम वर्षा दर्ज की गई। अगले चार दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अब तक सामान्य से 18 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। गुरुवार को रायपुर के माना में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि राजनांदगांव में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बीते 24 घंटों में गंगालूर में 3 सेमी, दंतेवाड़ा, करपावंड, पेण्ड्रा रोड, गीदम, लोहंडीगुड़ा और सकोला में 2-2 सेमी तथा रेंगाखार कला, बस्तर, मरवाही, धानोरा, डोंगरगढ़, धबहारपुर और भैरमगढ़ में 1-1 सेमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून द्रोणिका अनूपगढ़, रोहतक, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, फुरसतगंज, डेहरी, धनबाद, बांकुरा और दीघा होते हुए उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक सक्रिय है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र और उससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण मौसम को प्रभावित कर रहा है। इसके अगले 24 घंटों में उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ते हुए कमजोर पड़ने की संभावना है। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को दिनभर बादल छाए रहने की संभावना है। गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, जशपुर और सरगुजा जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली, तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के बीच सतर्कता बरतने की अपील की है।

डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से राजनांदगांव में 90 लाख के विकास कार्य स्वीकृत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के सतत प्रयासों से राजनांदगांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति मिलने वाली है। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के लिए 72.29 लाख रुपये की लागत के 17 विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों में ग्राम ईरा में पुलिया निर्माण, मनकी में मुक्तिधाम निर्माण, फुलझर में अहाता निर्माण, डिलापहरी में शेड निर्माण, बरगा में गली कंक्रीटीकरण, सुरगी में शेड निर्माण एवं निर्मला घाट निर्माण, कुम्हालोरी और भंडारपुर में सी.सी. रोड निर्माण, आरला में सामुदायिक भवन निर्माण, कोटराभाठा में शेड निर्माण सहित कुल 17 विकास कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन को बेहतर आवागमन एवं सामाजिक अधोसंरचना का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही, महात्मा गांधी नरेगा से अभिसरण के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले को 3 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की भी स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसमें राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम टेडेसरा एवं डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम भैसरा में लगभग 18-18 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवनों का निर्माण और बेलगांव (वि.खं. डोंगरगढ़) में 14 लाख रुपये की लागत से उचित मूल्य की दुकान का निर्माण कराया जाएगा। इन सभी विकास कार्यों की स्वीकृति से राजनांदगांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, स्थानीय स्तर पर जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। इन विकास कार्यों की स्वीकृति पर राजनांदगांववासियों ने विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों और प्रभावी पहल के परिणामस्वरूप जिले को लगातार विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में राजनांदगांव के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास का यह क्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा जनता को मूलभूत सुविधाओं का लाभ तेजी से प्राप्त होगा।

शिक्षा में निवेश, आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी : टंक राम वर्मा

डीएमएफ से बलौदाबाजार और सिमगा विकासखंड के स्कूलों का होगा कायाकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

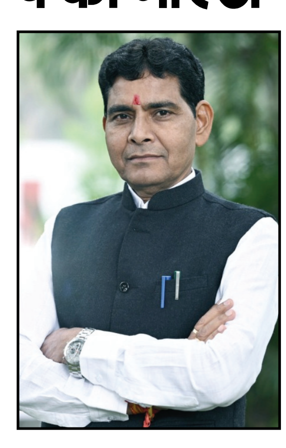

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और बच्चों को सुरक्षित माहौल देने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल की है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में जिला खनिज न्यास निधि से विभिन्न विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत बलौदाबाजार और सिमगा विकासखंड के कई स्कूलों में नए किचन शेड, अतिरिक्त कक्षाएं और प्रार्थना शेड बनाए जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत सुविधाओं की कमी दूर होगी। जिले के कई सरकारी स्कूल लंबे समय से बैठक व्यवस्था (स्थान की कमी), मध्याह्न भोजन पकाने के लिए सुरक्षित जगह और खराब मौसम जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। डीएमएफ से स्वीकृत ये नए कार्य न केवल इन कमियों को दूर करेंगे, बल्कि स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

उद्योगों के वृक्षारोपण कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे आवास-पर्यावरण मंत्री चौधरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य में मानसून-2026 के दौरान प्रमुख औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित वृक्षारोपण गतिविधियों की समीक्षा तथा आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता में 12 जुलाई को दोपहर 2 बजे बेबीलॉन कैपिटल, जी.ई. रोड, रायपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में राज्य की प्रमुख मीडियम एवं लार्ज स्केल औद्योगिक इकाइयों के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर स्तर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में मानसून-2026 के दौरान किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रमों की प्रगति, उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव, निगरानी व्यवस्था तथा उद्योगवार एक्शन प्लान की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 08 जुलाई 2026 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव राजू अगसिमनी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में औद्योगिक इकाइयों को व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण, पौधों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उसी क्रम में अब विभागीय मंत्री ओ.पी. चौधरी स्वयं उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर वृक्षारोपण अभियान की प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा आगामी कार्ययोजना पर मार्गदर्शन देंगे। बैठक का उद्देश्य उद्योगों की सक्रिय सहभागिता से राज्य में हरित आवरण का विस्तार करना, पर्यावरण संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाना तथा वृक्षारोपण कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करना है।

'हर घर शुद्ध जल' के लिए पंचायतों को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी, होगा सोशल ऑडिट

ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव नीति पर उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पेयजल योजनाओं की दीर्घकालिक स्थिरता और सुचारू संचालन को लेकर शुक्रवार को मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और छत्तीसगढ़ जल जीवन मिशन के अधिकारियों के साथ संचालन एवं रखरखाव नीति पर व्यापक चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

पंचायतों को हस्तांतरित होगी व्यवस्था

बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य में निर्मित सभी नल-जल योजनाओं का सफल संचालन शासन के निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीण घरों में प्रतिदिन नल से शुद्ध जल मिले, इसके लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की जाए। पेयजल योजनाओं की संस्थागत व्यवस्था को पूरी तरह से ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किया जाएगा, जिसके लिए पंचायतों को हर आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। इन योजनाओं का रखरखाव ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के माध्यम से होगा, जिससे जन-सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

सोशल ऑडिट और ग्राम सभाओं में चर्चा अनिवार्य

पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि योजनाओं का सही संचालन और गुणवत्तापूर्ण पेयजल की आपूर्ति जांचने के लिए सोशल ऑडिट (सामाजिक अंकेक्षण) कराया जाए। इसके साथ ही, प्रत्येक गाँव की ग्राम सभा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति के मुद्दे पर अनिवार्य रूप से चर्चा सुनिश्चित की जाए।

वाटर मीटर लगाने और वित्तीय प्रबंधन पर विचार

बैठक के दौरान योजना के दीर्घकालिक क्रियान्वयन के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से मंथन हुआ। योजनाओं के रखरखाव के लिए बजट प्रबंधन और उचित जल शुल्क निर्धारण पर चर्चा हुई। जल की बबार्दी (क्षति) को कम करने और बेहतर राजस्व प्राप्ति के लिए भविष्य में बजट प्रावधानों के अनुसार वाटर मीटर लगाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। पेयजल की गुणवत्ता का मूल्यांकन, विभिन्न स्तरों पर मॉनिटरिंग व्यवस्था, अनुपालन और सामुदायिक भागीदारी लेखा परीक्षा को लेकर अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने जल जीवन मिशन छत्तीसगढ़ नीति के प्रारूप और उसके विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण दिया। इस उच्च स्तरीय बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह सहित जल जीवन मिशन, पीएचई और अन्य संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

फिर अनिश्चितता के भंवर में दुनिया

मध्य-पूर्व एक बार फिर अशांत होता दिखाई दे रहा है। ईरान के अड़ियल रुख और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पलटवार के कारण दुनिया एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में फंस गई है। खाड़ी में युद्ध के कारण कच्चा तेल, गैस और ऊर्जा सभी की महंगाई और टूटती चेन सप्लाई ने लोगों को परेशान कर रखा था। युद्ध विराम के बाद दुनिया कुछ उभरने लगी थी, लेकिन अब होर्मुज में कतर समेत तीन जहाजों पर ईरान का हमला और फिर ट्रम्प का यह कहना कि ईरान के साथ हुआ युद्धविराम (सीजफायर) अब समाप्त हो चुका है और अमेरिका ईरान से कोई नई डील नहीं करना चाहता, क्षेत्र में बढ़ते तनाव का संकेत है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, ईरान पर 80 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हुए हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। यह घटनाक्रम केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ विषय है। इस साल एक तरफ अलनीनो के कारण कमजोर मानसून और दूसरी तरफ ईरान की बेजा हरकत ने दुनिया को परेशानी में डाल दिया है। ईरान ने शांति की सारी उम्मीदों को झटका दे दिया है। अब खाड़ी के देशों को एकजुट होकर ईरान के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। होर्मुज में जहाजों पर हमला किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। जहाजों पर लोग रोजी-रोटी कमाने के लिए काम करते हैं। ऐसे में उनको निशाना बनाया जाना गलत है। खासकर जहाजों पर काम करने वालों में अधिकतर भारतीय हैं। ऐसे में दुनिया के किसी भी जहाज पर हमला भारतीय नागरिकों पर हमले जैसा है। भारत सरकार को भी ईरान को दो टूक कहना चाहिए कि भारतीयों पर हमले स्वीकार्य नहीं हैं। ईरान अपने प्रतिशोध के लिए दूसरा तरीका अपनाए। अमेरिका का तर्क है कि ईरान समर्थित गतिविधियों और उसके परमाणु कार्यक्रम से क्षेत्रीय तथा वैश्विक सुरक्षा को खतरा है। दूसरी ओर ईरान इसे अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न मानते हुए सैन्य दबाव के बीच किसी समझौते से इनकार कर रहा है। दोनों देशों के बीच अविश्वास वर्षों पुराना है, लेकिन हाल की घटनाओं ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यदि जवाबी कार्रवाई का यह सिलसिला जारी रहता है, तो संघर्ष सीमित नहीं रहेगा और पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में ले सकता है।यदि अमेरिका अपने सहयोगियों से अपेक्षित समर्थन न मिलने की बात कह रहा है, तो यह पश्चिमी देशों की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था में मतभेदों की ओर संकेत करता है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की शक्ति उसकी एकजुटता में होती है। यदि रणनीतिक मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आने लगें, तो इसका लाभ अस्थिरता फैलाने वाली शक्तियां उठा सकती हैं। भारत के लिए भी यह स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की ऊर्जा सुरक्षा, खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा और वैश्विक व्यापार से जुड़े हित इस संकट से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए भारत को अपनी पारंपरिक संतुलित विदेश नीति के अनुरूप शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान का पक्ष मजबूत करना चाहिए। कुल मिलाकर किसी भी युद्ध में अंततः जीत किसी की नहीं होती, जबकि मानवता, अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्थिरता सबसे अधिक नुकसान उठाती है। अमेरिका और ईरान दोनों को यह समझना होगा कि सैन्य शक्ति भय पैदा कर सकती है, लेकिन विश्वास नहीं। स्थायी शांति केवल बातचीत, पारस्परिक सम्मान और कूटनीतिक समाधान से ही संभव है।

मंथन

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चियों के साथ बर्बरता-समाज को भयभीत करती घटनाएं

हाल ही में राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक नाबालिग के साथ दरिंदगी के गंभीर अपराध से समग्र समाज स्तब्ध है। बेटियों की सुरक्षा को लेकर हर परिवार चिंतित है। मासूम बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और खरीद-फरोख्त का यह झकझोर देने वाला मामला दिशाहीन और अमानवीय होती सोच की बानगी है। इस घिनौनी वारदात में ई-रिक्शा चालक ने बच्ची को विश्वास में लेकर एक होटल संचालक को बेच दिया। उसके बाद बंधक बनाकर अलग-अलग होटलों में उसके साथ लगातार 5 दिन तक दरिंदगी की गई। दर्द से तड़पती मासूम को शांत करने और सुलाने के लिए जबरन शराब पिलाई जाती थी। वस्तुतः, यह शर्मनाक और खौफनाक घटना खत्म होते नैतिक मूल्यों और लचर कानून व्यवस्था दोनों की कटु हकीकत लिए है। इतना ही नहीं, नाबालिग बच्चियों के साथ होते संगठित अपराध और मानव तस्करी के आंकड़े तो डराने वाले ही हैं।पीड़ादायी है कि बेटियों के साथ कुत्सित सोच वाले लोगों के वहशीपन की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। दरिंदगी की इन्तेहा पार करने वाले ऐसे मामले बार-बार बेटियों की सुरक्षा और लोगों की निर्दयी होती सोच को सामने रखते हैं। इंसानी सोच का यह कलुषित पक्ष समाज में डर का सबसे बड़ा कारण बन गया है। चिंतनीय है कि बात श्रीगंगानगर में हुई घिनौनी और बर्बर घटना भर की नहीं है। देश के हर हिस्से से आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं जिनमें मासूम बच्चियों के साथ ऐसी शर्मनाक और वीभत्स घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। जीवन के सही मायने तक ना समझने वाली उम्र में भी बच्चियों के साथ हद दर्जे की बर्बरता हुई है। शर्मनाक ही है कि शारीरिक शोषण और क्रूरता के ऐसे मामलों में अनजान लोगों की ही नहीं, अपनों की भी भागीदारी देखने को मिली है। कहना गलत नहीं होगा कि घर हो या बाहर, मौजूदा परिवेश में बेटियां असुरक्षित भी हैं और अमानवीयता भी झेल रही हैं। चाइल्डलाइट ग्लोबल चाइल्ड सेफ्टी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'इंटू द लाइट इंडेक्स 2025' के अनुसार भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों में 2017 से 2022 तक 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक हमारे यहां हर 30 मिनट में एक बच्चे के साथ यौन दुर्व्यवहार हो रहा है। एनसीआरबी की पिछले साल की रिपोर्ट बताती है कि भारत में बच्चों के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है।यह आंकड़ा 2022 के आंकड़ों की तुलना में लगभग 9 फीसदी अधिक है। इन मामलों में नाबालिग लड़कियों के साथ हो रहे अपराधों की संख्या सबसे चिंताजनक है। असल में समाज के सभ्य-संवेदनशील लोगों को झकझोर कर रख देने वाले इन मामलों की पुनरावृत्ति होना सबसे चिंतनीय पक्ष है। खासकर बेटियों के अभिभावकों के मन में तो ऐसे समाचार नैराश्य, विषाद और भय पैदा करते हैं। मासूम बच्चियों के साथ होने वाली ऐसी हैवानियत उनके पूरे व्यक्तित्व को खंडित कर देती है। भावी जीवन में उनके विचार और व्यवहार दोनों ही ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वाकये से प्रभावित होते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से तो मासूम मन ऐसे हादसे से जीवन भर नहीं उबर पाता। यह बर्बरता बहुत सी बच्चियों का जीवन ही छीन लेती है। विचारणीय है कि इन खबरों का समाज की मानसिकता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। भय भरे परिवेश में बच्चियों का बचपन छिन जाता है। गांवों-कस्बों में हुई ऐसी एक घटना कई बेटियों का स्कूल जाना छुड़वा देती है। माता-पिता कम उम्र में उनकी शादी करने को विवश हो जाते हैं। इतना ही नहीं, बरसों तक चलने वाले ऐसे मुकदमे भी कहीं ना कहीं बेटियों के परिवारजनों के लिए ही प्रताड़ना का कारण बन जाते हैं। कठोर कानून बनने के बावजूद ऐसे दुस्साहस भरे मामले हर दिन सामने आ रहे हैं। हाल ही में पुणे के नसरापुर में 3 साल की मासूम से दुष्कर्म और हत्या के जघन्य मामले में विशेष पॉक्सो अदालत ने दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। यह फैसला मात्र 60 दिनों के रिकॉर्ड समय में 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' श्रेणी के तहत सुनाया गया। कहना गलत नहीं होगा कि मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार और यौन शोषण की घटनाएं विकृत और बार्बर मानसिकता को दर्शाती हैं। कानूनी लचरता संग हर ओर परोसी जा रही अश्लीलता ने हालात भयावह बना दिए हैं। स्मार्ट स्क्रीन में पल-पल देखा जा रहा पॉर्न और नेगेटिव कंटेन्ट हर उम्र के लोगों में कुत्सित मनःस्थिति को पोषण दे रहा है। कहीं न कहीं जीवन के हर पहलू पर विस्तार पा रही संस्कारहीन सोच और नैतिक अवमूल्यन ही भयावह हादसों के लिए जिम्मेदार है। इसीलिए कड़े कानूनों संग इंसानी मन में बेटियों की सुरक्षा के प्रति मानवीय दायित्व और संवेदनशील सोच का भाव भी आवश्यक है।

विश्व राजनीति के नए दौर में भारत

साझेदारी

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

इंडोनेशिया के साथ रक्षा और व्यापारिक सहयोग के नए आयाम हों या ऑस्ट्रेलिया के साथ शिक्षा, खनिज संसाधनों और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के प्रयास, ये घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है। विश्व व्यवस्था जिस तीव्र गति से बदल रही है, उसमें भारत अपनी आकांक्षाओं को नए पंख देने के लिए दूरदर्शी कूटनीति और संतुलित विदेश नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय राजनीति पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी हो गई है। यही कारण है कि भारत आज विश्व के अनेक देशों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया यात्रा ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि आज की दुनिया केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं से नहीं चलती, बल्कि राष्ट्रीय हितों, आर्थिक साझेदारियों, तकनीकी सहयोग और मानव संसाधनों के साझा विकास से आगे बढ़ती है। इंडोनेशिया के साथ रक्षा और व्यापारिक सहयोग के नए आयाम हों या ऑस्ट्रेलिया के साथ शिक्षा, खनिज संसाधनों और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के प्रयास, ये घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है। विश्व व्यवस्था जिस तीव्र गति से बदल रही है, उसमें भारत अपनी आकांक्षाओं को नए पंख देने के लिए दूरदर्शी कूटनीति और संतुलित विदेश नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। इक्कीसवीं सदी की अंतरराष्ट्रीय राजनीति पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी हो गई है। पहले देशों के बीच संबंध मुख्यतः सैन्य शक्ति और राजनीतिक प्रभाव तक सीमित थे, लेकिन आज आर्थिक सहयोग, तकनीकी नवाचार, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, आपूर्ति शृंखला, शिक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे विषय वैश्विक संबंधों के केंद्र में आ चुके हैं।

ऐसे समय में भारत ने अपनी विदेश नीति को केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे विकास, निवेश, रोजगार और नागरिकों के भविष्य से जोड़ दिया है। यही कारण है कि भारत आज विश्व के अनेक देशों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है। इंडोनेशिया के साथ भारत के संबंध केवल दो मित्र देशों के संबंध नहीं हैं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समुद्री सुरक्षा की साझा जिम्मेदारी भी हैं। मलक्का जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के बीच स्थित यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक समझौते पूरे क्षेत्र की स्थिरता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम जैसे रक्षा सहयोग केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि यह भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का भी प्रतीक हैं। इससे भारत की वैश्विक साख मजबूत होती है और रक्षा निर्यात के नए अवसर भी पैदा होते हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के साथ बढ़ती निकटता भारत की बदलती रणनीतिक सोच को दर्शाती है। ऑस्ट्रेलिया आज केवल एक मित्र देश नहीं, बल्कि ऊर्जा, शिक्षा, तकनीक और खनिज संसाधनों का महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रही दुनिया में लिथियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की मांग लगातार बढ़ रही है।

ऑस्ट्रेलिया इन संसाधनों से समृद्ध है और भारत को अपनी इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण तथा हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इनकी आवश्यकता है। इसलिए दोनों देशों का सहयोग केवल वर्तमान की जरूरत नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का भी आधार बन रहा है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा और मानव संसाधन विकास भी बन चुका है। आज लाखों भारतीय छात्र विदेशों में उच्च

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या ऑस्ट्रेलिया में अध्ययनरत है। यदि दोनों देशों के बीच वीजा प्रक्रिया सरल होती है, शोध सहयोग बढ़ता है और डिग्रियों की पारस्परिक मान्यता मजबूत होती है, तो इसका सीधा लाभ भारतीय युवाओं को मिलेगा। शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, स्टार्टअप, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भी नए अवसर खुलेंगे। इस प्रकार विदेश नीति अब केवल सरकारों के बीच संबंध नहीं रह गई है, बल्कि यह सीधे युवाओं के सपनों और परिवारों की आकांक्षाओं से जुड़ गई है। बदलते वैश्विक समीकरणों में व्यापार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। दुनिया ने महामारी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के दौरान देखा कि जब आपूर्ति शृंखलाएं बाधित होती हैं, तो पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए आज हर देश विश्वसनीय साझेदारों की तलाश में है।

भारत अपनी विशाल बाजार क्षमता, कुशल मानव संसाधन, लोकतांत्रिक व्यवस्था और मजबूत विनिर्माण क्षमता के कारण वैश्विक कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलें केवल घरेलू योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इन्हें वैश्विक निवेश और निर्यात वृद्धि से भी जोड़ा गया है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रियता ने भी विश्व राजनीति को नई दिशा दी है। अनेक देश संतुलित शक्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। भारत ने भी किसी टकराव की नीति अपनाने के बजाय सहयोग, संवाद और साझेदारी को प्राथमिकता दी है। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व मंच पर एक जिम्मेदार और भरोसेमंद राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। क्वाड जैसे मंचों में सक्रिय भागीदारी, समुद्री सुरक्षा पर सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयास इसी सोच का परिणाम हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से शिक्षा, तकनीक, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, तो इसका सबसे अधिक लाभ भारतीय युवाओं को मिलेगा। आज दुनिया कुशल मानव संसाधनों की तलाश में है और भारत के पास प्रतिभा का विशाल भंडार है। आवश्यकता केवल इस प्रतिभा को सही अवसरों से जोड़ने की है। विदेश नीति का यही नया स्वरूप भारत के युवाओं की आकांक्षाओं को वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है। आज की दुनिया में किसी भी देश की शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता से नहीं मापी जाती, बल्कि उसकी आर्थिक मजबूती, तकनीकी प्रगति, नवाचार, कूटनीतिक प्रभाव और वैश्विक विश्वसनीयता से भी तय होती है। भारत इन सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि विकसित देशों से लेकर विकासशील राष्ट्रों तक, सभी भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी बनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है, बल्कि वर्षों की संतुलित नीति, निरंतर संवाद और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का परिणाम है। बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए केवल चुनौतियाँ लेकर नहीं आए हैं, बल्कि उन्होंने नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं। इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मजबूत होते संबंध इस बात के संकेत हैं कि भारत अब विश्व व्यवस्था में एक प्रभावशाली, विश्वसनीय और दूरदर्शी शक्ति के रूप में उभर रहा है। यदि यही गति, संतुलन और दूरदृष्टि बनी रही, तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करेगा, बल्कि करोड़ों भारतीयों, विशेषकर युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को भी नई उड़ान देगा। यही बदलते वैश्विक दौर में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि और सबसे बड़ी आशा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्रीकृष्ण का क्रिया योग

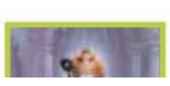

संकलित
दर्शन

योगदा सत्संग सोसाइटी के संस्थापक और 'योगी कथामृत' के लेखक श्री श्री परमहंस योगानंद की श्रीमद्भगवद्गीता पर व्याख्या 'ईश्वर-अर्जुन संवाद' के अनुसार, कृष्ण शब्द की अनेक व्युत्पत्ति में हैं। इनमें 'श्याम' सर्वाधिक प्रचलित है, जो उनके रंग-रूप की ओर संकेत करता है। उन्हें चित्रों में प्रायः गाढे नीले रंग का दिखाया जाता है, जो देवत्व का प्रतीक है।

नीला रंग दिव्य नेत्र में (भ्रूमध्य के बीच) दिखने वाले नीले प्रकाश का भी प्रतीक है, जो योग में चेतना की कूटस्थ चैतन्य अवस्था को दर्शाता है। मतलब कृष्ण का रंग आध्यात्मिकता का भी प्रतीक है और एक गूढ़ अर्थ की ओर संकेत करता है। योगानंद जी के अनुसार, इंद्रिय जनित लिप्स ग्रस्त संसार दिव्य प्रेम की शुद्धता को नहीं समझ पाता। शाब्दिक अर्थों से परे गोपियों संग कृष्ण लीलाओं का प्रतीकात्मक अर्थ, ब्रह्म और सृष्टि के उस रास से है, जो ईश्वरीय लीला को संसार में व्यक्त करता है। कृष्ण की वंशी की मधुर तान भक्तों को ध्यान जनित समाधि के मंडप में आने को पुकारती हैं, ताकि वह आनंददायक ईश्वरीय प्रेम का पान कर सकें। कृष्ण के जीवन का दर्शन हमें भौतिक जीवन के दायित्वों के निर्वहन और उन्हीं के बीच ईश्वर का सानिध्य पाने के प्रयासों के मध्य सामंजस्य साधना सिखाता है। कृष्ण सिखाते हैं कि परिवेश कुछ भी हो, ईश्वर को वहीं ले आओ, जहां उसने तुम्हें रखा है। कृष्ण ने अपने राजसी दायित्व निभाने हेतु दुष्ट शासकों के विरुद्ध कई अभियान किए, जिनमें कौरव-पांडवों के बीच हुए महाभारत युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जीवन का,जीवन बीमा

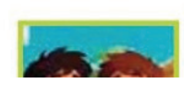

संकलित
प्रेरणा

दो मित्र थे, बड़े परिश्रमी और मेहनती। अपने परिश्रम से दोनों एक दिन बड़े सेठ बन गए। दोनों ने बड़ा व्यवसाय खड़ा कर लिया। पहले सेठ ने अपनी सारी संपत्ति का बीमा करवा लिया। उसने अपने मित्र को बार-बार यही परामर्श दिया कि वह भी अपनी सम्पत्ति का बीमा करवा ले। परन्त दसरे मित्र ने उसकी बात को अनसना कर दिया। दर्भाग्य से एक दिन शहर में

आग लग गई। दोनों की सारी संपत्ति जल कर राख हो गई। पहले सेठ ने बीमा करवा रखा था इसलिए उसे सारी संपत्ति वापस मिल गई, जबकि दूसरा मित्र निर्धन बन गया। मगर हाथ पछताने के अतिरिक्त उसके पास कोई चारा नहीं बचा था। मनुष्य का यह जन्म भी सेठ की संपत्ति के समान है। हम सभी को मालूम है कि एक दिन इस शरीर को भस्म होना है मगर हम हैं कि जीवन के इस अटल सत्य को जानकर भी अनसुना कर देते हैं। हम इसका कभी बीमा नहीं करवाते। न सत्कर्म करते है, न अभ्यास और वैराग्य द्वारा मोक्ष मार्ग को सिद्ध करते हैं, न योग मार्ग के पथिक बनते है, न ईश्वर का साक्षात्कार करते है। इसके विपरीत भोग, दुराचार, पाप, राग-द्वेष, ईर्ष्या, अभिमान, अहंकार, असत्य आदि के चक्कर में अपना बीमा ही करवाना भूल जाते हैं। वेद में अनेक मन्त्रों के माध्यम से जन्म-मरण और मुक्ति की पवित्र शिक्षा को कहा गया हैं- शरीररूप बंधन में आकर जीवात्मा जहाँ तहाँ भटकता है- वेद शरीर नश्वर है इसके रहते हुए जो श्रेष्ठ कर्म किया जा सके करले अपने को संभाल के परमात्मा का स्मरण कर-वेद जीवात्मा वासनावश ऊंची नीची योनियों में शरीर धारण करता है।

सटाका

आज की पाती

बरसा आसमान का कहर

लंबे इंतजार के बाद जब मानसून ने पूरे देश में दस्तक दी तो लोगों के चेहरों पर खुशी थी। भीषण गर्मी और पानी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को उम्मीद थी कि बारिश राहत लेकर आएगी, खेतों में हरियाली लौटेगी और जलस्रोत भर जाएंगे। लेकिन इस बार मानसून ने राहत से ज्यादा आफत का रूप दिखाया। देश के अनेक राज्यों में मूसलाधार बारिश ने बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और हादसों का ऐसा सिलसिला शुरू कर दिया कि जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा, सैकड़ों गांवों का संपर्क टूट गया, सड़कें नदियों में बदल गईं और करोड़ों रुपए की संपत्ति पलभर में तबाह हो गई।

– सीमा, जींद,

ट्रेंड

प्रम्बानन मंदिर

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अब इंडोनेशिया के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'प्रम्बानन मंदिर' के संरक्षण में अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा। प्रम्बानन मंदिर में गूंजता "ॐ नमः शिवाय" सनातन की शाश्वत चेतना का दिव्य स्पंदन है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

धार्मिक स्थल

उत्तर प्रदेश में अयोध्या के श्रीराम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में दान चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए।

-मायावती, पूर्व सीएम, उत्तर प्रदेश

भूस्खलन दुखद

वायनाड में हुआ भूस्खलन बेहद दुखद है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। इस दुखद आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएं हैं।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

फुटबॉल वर्ल्ड कप

फुटबॉल वर्ल्ड कप यह साबित करता है कि बड़े-बड़े पुरुषों को भी खुलकर रोने की इजाजत है ताकि दुनिया देख सके... और हम भी उनके साथ रोते हैं... यहाँ तक कि सबसे मजबूत लोग भी। खासकर वे जो सबसे ज्यादा मजबूत होते हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

सुदर्शनी भारतीय समुद्री विरासत का प्रतिनिधित्व करती है

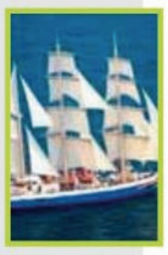

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि भारतीय नौसेना के प्रशिक्षण पोत 'आईएनएस सुदर्शनी' की अमेरिका यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा और आपसी संबंधों को प्रदर्शित करती है। अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित हो रहे 'यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल नेवल रिव्यू 250' और 'सेल फोर्थ 250' समारोहों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 'आईएनएस सुदर्शनी' गर्व के साथ तिरंगा लहराते हुए चार जुलाई को न्यूयॉर्क पोर्ट पहुंची। प्रधान ने मंगलवार को बताया, 'आईएनएस सुदर्शनी भारतीय समुद्री विरासत की शानदार परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है और भारतीय नौसेना की ताकत और कौशल को दिखाती है। यह भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत होते आपसी संबंधों का भी प्रतीक है।' आईएनएस सुदर्शनी का यह दौरा पोत के 10 महीने लंबे समुद्री अभियान 'लोकायन 2026' का हिस्सा है। भारत सरकार के एक बयान के अनुसार यह अभियान 'समुद्री सहयोग को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सद्भावना बढ़ाने और सहयोगी नौसेनाओं के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

ऑफ बीट

मधुमक्खियों के चेहरे खोल सकते हैं उनके मन के राज

इंसान अक्सर सामने वाले के चेहरे के भाव देखकर समझ लेते हैं कि वह खुश है, परेशान है या किसी चीज को पसंद नहीं कर रहा है। स्वादिष्ट भोजन मिलने पर मुस्कान आ जाती है, पसंद न आने वाली चीज पर चेहरा सिकुड़ जाता है। लेकिन क्या ऐसा ही कुछ छोटे-से शरीर वाली मधुमक्खियों के साथ भी होता है? हम अपने आसपास के जानवरों को देखकर अक्सर समझ लेते हैं कि वे खुश हैं, डर रहे हैं या उन्हें दर्द हो रहा है। मधुमक्खियों का चेहरा इंसानों की तरह भाव दिखाने वाला नहीं होता। उनका बाहरी शरीर कठोर खोल से ढका होता है, इसलिए पहली नजर में लगता है कि उनके चेहरे पर कोई बदलाव संभव नहीं होगा। लेकिन वैज्ञानिकों का ध्यान उनके मुंह के बेहद सक्रिय हिस्से 'ग्लोसा' पर गया। यह एक लंबी जीभ जैसी संरचना होती है, जिसकी मदद से मधुमक्खियां फूलों से रस चूसती हैं। प्रयोगों में शोधकर्ताओं ने भौंरों (बम्बलबी) को अलग-अलग स्वाद वाली छोटी-छोटी बूंदें दीं और उनकी प्रतिक्रियाओं को ध्यान से देखा। जब एक मधुमक्खी को चीनी का घोल दिया गया तो उसने तेजी से अपनी ग्लोसा बाहर निकाली और उसे पी लिया। लेकिन हैरानी तब हुई जब घोल खत्म हो गया और उसे देने वाली पाइपेट हटा ली गई। इसके बाद भी मधुमक्खी कुछ समय तक अपनी ग्लोसा को बाहर निकालती और अंदर करती रही।

शपथ पत्र

मैं अंतबिलास राम आ० जगदेव राम उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम छिन्दकालो थाना व तह दरिमा जिला सरगुजा छ०ग० का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ किः- मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ, कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा जन्म तिथि 02.12.1973 है जो मेरे पेन कार्ड एवं अन्य। सभी दस्तावेज में अंकित है जो सत्य एवं सही हैं मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 683389301237 में त्रुटिवश मेरा नाम SANTBILAS YADAV पिता का नाम JAGDEV YADAV अंकित किया गया है जो असत्य हैं तथा जन्म तिथि 01.02.1974 अंकित है जो त्रुटिपूर्ण है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा सही नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा जन्म तिथि 02.12.1973 जो मेरे पेन कार्ड में अंकित है। मै शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि उक्त दोनो नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा SANTBILAS YADAV पिता का नाम JAGDEV YADAV एक ही व्यक्ति का नाम मेरा एवं मेरे पिता का ही नाम है मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा जन्म तिथि 02.12.1973 अंकित किया जाये जिस हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

काशपथ

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती, उठाए सवाल और चेतावनी दी

अधिकारियों की मिलीभगत पर जताई नाराजगी

नगर निकायों को लगाई कड़ी फटकार अवैध कब्जों पर बताएं क्या कार्रवाई की

अदालत ने नगर निकायों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जमीन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट अवमानना की कार्रवाई करेगा। कोर्ट ने अवैध कब्जों के मामलों में सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत पर भी कड़ी नाराजगी जताई। इसके साथ ही अदालत ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी भी दी है और कार्रवाई करने को कहा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली- लखनऊ में हुए हालिया अग्निकांड की घटनाओं को लेकर कड़ा रख अपनाते हुए नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में अवैध कब्जों को लेकर भी नाराजगी जताई और पूछा कि अवैध कब्जों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? अदालत ने नगर निकायों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जमीन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट अवमानना की कार्रवाई करेगा। कोर्ट ने अवैध कब्जों के मामलों में सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत पर भी कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने घटना के बाद अधिकारियों द्वारा इज्जत बचाने के लिए की जाने वाली कार्रवाइयों की भी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि घटनाओं के बाद सिर्फ बिल्डरों को ही गिरफ्तार किया जा रहा है, जबकि घटना वाले क्षेत्र के प्रभारी अधिकारियों को छोड़ दिया जा रहा है। कोर्ट ने रिपोर्ट तलब करते हुए मामले की सुनवाई अगली तारीख तक स्थगित कर दी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस काम में कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए और कमेटी को एक सच्ची रिपोर्ट सौंपनी चाहिए। बेंच ने कहा कि हम यह साफ करते हैं कि कमेटी की ओर से सच्ची रिपोर्ट देने में कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। अगर हमें इस पर शक हुआ तो रिपोर्ट की सच्चाई जानने के लिए इस कोर्ट से एक स्पेशल टीम भेजी जा सकती है।

जमीन पर नहीं दिखी कार्रवाई तो दर्ज होगा अवमानना मामला

सुप्रीम कोर्ट

नगर निकायों को दिया अल्टीमेटम

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ ने अवैध कब्जों से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान मालवीय नगर की घटना, लखनऊ में लगी आग और साकेत में इमारत गिरने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हमें उम्मीद थी कि अधिकारी कुछ कार्रवाई करेंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अदालत ने ये भी पूछा कि मालवीय नगर की घटना के बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई?

मालवीय नगर में लगी थी आग

दिल्ली के मालवीय नगर में बीती 3 जून को एक होटल में भीषण आग लग गई थी, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं लखनऊ में बीती 22 जून को एक व्यवसायिक परिसर में लगी आग में झुलसकर 15 लोगों की मौत हो गई थी। अदालत ने दिल्ली नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे नगर निकाय के आचरण से चिंतित हैं।

विशेषज्ञ समिति गठित करने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने लाजपत नगर, साकेत और सरोजनी नगर जैसे इलाकों का सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया है और एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का आदेश दिया है। इस विशेषज्ञ समिति में आईआईटी दिल्ली के सिविल विभाग के दो वरिष्ठ प्रोफेसर, आईआईटी के दो ड्राफ्ट्समैन और अधिकारी कोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारी शामिल रहेंगे।

20 मई के आदेश के बाद क्या कार्रवाई की?

अदालत ने बीती 20 मई को सुरक्षा अधिकारियों को सुरक्षा मानदंड पर निर्देश जारी करने का आदेश दिया था। साथ ही अदालत ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर भी संज्ञान लिया, जिनमें बताया गया कि गुरुग्राम की 93 प्रतिशत इमारतें अग्नि सुरक्षा ऑडिट में फेल रही हैं। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अधिकारियों को 20 मई को निर्देश दिए गए थे कि क्या करना है?

4 तक कार्रवाई नहीं तो अफसर नपेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में गैर-कानूनी और असुरक्षित इमारतों और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, पटना और तमिलनाडु के नगर निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उन जर्जर इमारतों को गिराने या खाली कराने के लिए की गई कार्रवाई की स्टेट्स रिपोर्ट मांगी है, जिनसे आपदा का खतरा हो सकता है। साकेत और मालवीय नगर में इमारत गिरने की घटना व अलीगंज में आग की घटनाओं का संज्ञान लिया।

जिम्मेदारों पर होगा एक्शन

कोर्ट ने यह चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नगर निगम और विकास प्राधिकरण के कमिश्नर, सीईओ और दूसरे जिम्मेदार अधिकारी अगली तारीख तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट रिकार्ड पर नहीं रखते या कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं करते तो, उनके खिलाफ संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

महाराष्ट्र की राजनीति में मचा बवाल

शिंदे-शरद पवार की मुलाकात राउत बोले-भरोसा कम हो रहा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार के विधान भवन परिसर में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात पर बवाल मच गया है। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने इस पर शरद पर सवाल खड़े किए हैं। राउत ने कहा कि उनकी पार्टी शिंदे के ऑफिस में पवार की मीटिंग से परेशान और दुखी है और ऐसी हरकतों से उनके जैसे सीनियर लीडर पर भरोसा कम होता है। उन्होंने कहा कि यह मीटिंग गद्दारों की बड़ाई करने जैसा था। शरद की पार्टी ने राउत पर कड़े शब्दों में पलटवार करते हुए उन पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया और उन्हें याद दिलाया कि पवार की उनसे और शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे से हुई मीटिंग्स को पहले पॉलिटिकल स्टेट्समैनशिप कहा गया था। एक मीटिंग से क्यों घबरा रहे हैं?

पवार ने शिंदे से सौजन्य भेंट की

शरद ने बुधवार को मुंबई में विधान भवन कॉम्प्लेक्स में शिंदे के ऑफिस में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की। पवार लंबे समय से पेंडिंग महाराष्ट्र-कर्नाटक बॉर्डर विवाद पर राज्य सरकार द्वारा बनाई गई हाई-पावर्ड कमेटी के मेंबर के तौर पर एक मीटिंग में शामिल होने के लिए विधानसभा परिसर में थे। पवार ने शिंदे से उनके चैंबर में कर्टजी विजिट की। राउत ने कहा कि शरद पवार एक सीनियर और इज्जतदार नेता हैं। एक सीनियर लीडर की क्रेडिबिलिटी तब कम होती है जब वह एक ऐसे गद्दार की छत के नीचे जाकर ऐसी मीटिंग्स करता है, जिसने हमारी सरकार गिरा दी।पवार का शिंदे के ऑफिस जाना देशद्रोहियों की बड़ाई करने जैसा है।

भ्रष्टाचार फैलाने के पीछे शिंदे

उन्होंने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार की दीमकों के फैलने के पीछे शिंदे का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्या पूरी विधानसभा मौजूद नहीं थी (कि पवार को शिंदे के केबिन में मीटिंग करनी पड़ी)? वाईबी चव्हाण प्रतिष्ठान राष्ट्रवादी भवन भी पास में ही था। राउत ने कहा कि यह एक वफादार पार्टी वर्कर की राय है। हम इतने टॉलरेंट नहीं हैं कि गद्दारों के ऑफिस में मीटिंग करने दें। हमारा दिल इतना बड़ा नहीं है और हम ऐसा भी नहीं करेंगे।

जनपद में स्थानान्तरण बना दिखावा, नहीं रिलीव हो रहे स्थानान्तरित कर्मचारी

सिद्धार्थ नगर -जनपद में तैनात बांसी कर्मियों के स्थानान्तरण के बाबजूद रिलीव न किए जाने से जिम्मेदारों के ऊपर उँगलियाँ उठना शुरू हो गयी हैं और इस बात को लेकर जनपद में डीएम की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठना भी शुरू हो गया है।

झांसा देकर 16 करोड़ की ठगी

पुलिस ने फर्जी कंपनी के तीन निदेशक समेत 6 को दबोचा

एजेंसी ▶▶ हावड़ा

महज 25 महीने में निवेश की राशि दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में हावड़ा सिटी पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) की टीम ने एक फर्जी निवेश कंपनी के3 निदेशकों सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

'51 कदम पीछे मत देखना'... बुजुर्ग महिला से 3.05 लाख के जेवर पार

नागपुर। धार्मिक आस्था का फायदा उठाकर ठगी करने वाले गिरोह एक बार फिर सक्रिय हैं। इमामवाड़ा थाना क्षेत्र में 2अज्ञात युवकों ने 81 वर्षीय बुजुर्ग महिला मेडिकल रोड निवासी सुजाता भगवानलाल अग्रवाल को धार्मिक बातों में उलझाकर करीब 3.05 लाख के सोने के जेवरात और मोबाइल ठग लिए। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए।

महाराष्ट्र में भी लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

फडणवीस ने रिटायर्ड जज देसाई के नेतृत्व में बनाई 7 सदस्यीय कमेटी

6 महीने में रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। राज्य की फड़नवीस सरकार ने इसको लेकर गुरुवार को 7 सदस्यों वाली एक कमेटी के गठन करने ऐलान किया है। कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना देसाई करेंगी।विधानसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आरसी चव्हाण और एसजी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं।

शीतकालीन सत्र में करेंगे पेश

फडणवीस कहा कि समिति से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश करने का प्रयास करेंगे। संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का हवाला देते हुए फडण वीस ने कहा कि तदनुसार एक समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए एक ढांचा तैयार करने हेतु न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।महाराष्ट्र से पहले, असम और गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता के लिए कानून का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया था।

सरदार पटेल चौराहे पर हुआ सरदार पटेल स्मृति द्वार का उद्घाटन

बस्ती/ पटेल चौराहे से हर्दिया मार्ग पर भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में निर्मित स्मृति द्वार का गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया।

ऑटो रिक्शा पर पलटा केमिकल टैंकर, 2 की मौत 1 घायल

ठाणेः शहर के घोड़बंदर रोड पर डी-मार्ट मॉल के पास एक केमिकल टैंकर बगल से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर पलट गया. इस भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक गभीर रूप से घायल हो गया. घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दुर्घना के बाद टैंकर चालक फरार हो गया. कासारवडवली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. इस घटना की वजह से कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम हो गया. स्थानीय लोगों ने दुर्घटना को लेकर काफी नाराजगी भी जतायी. बताया गया कि दोपहर करीब 12.45 बजे केमिकल टैंकर ठाणे से घोड़बंदर की ओर जा रहा था. आनंदनगर इलाके में डी-मार्ट मॉल के पास अर्बन लॅडर शोरूम के सामने टैंकर चालक ने स्टेरिंग पर से अपना संतुलन खो दिया और वह बगल से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर पलट गया. इस हादसे के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. सूचना मिलने पर पुलिस एवं आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुँच गयी.ऑटो रिक्शा ठाणे से मीरा - भायंदर जा रहा था. दुर्घटना की वजह से ऑटो रिक्शा ड्राइवर दशरथ पवार एवं एक यात्री मोहम्मद अमीन की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी.

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम जुर प.ह.न. 09
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सायरा बानो पति समसुदीन अंसारी जाति मुसलमान निवासी ग्राम जुर प.ह.न, रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पति समसुदीन अंसारी का मृत्यु दिनांक 24/05/2025 को ग्राम जुर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पति समसुदीन अंसारी का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत जूर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक. 21/07/2026 तक आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विपेश जायसवाल आ० उत्तम चंद जायसवाल, निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-03 मोहल्ला-रामानुजगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1798/1, 1799/1, 1801/4836/12, 1801/4836/63, 1800/2, 1800/3, 1800/4 रकबा 0.07, 0.03, 0.04, 0.01 1/2, 0.03, 0.02, 0.00 1/2 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र मय मेन्टनेस खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-20/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं विशंक अग्रवाल पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी नितिन कुमार अग्रवाल गाँव/शहर पत्थलगांव तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम विशंक अग्रवाल (पुराना नाम) से बदल कर अयांश अग्रवाल (नया नाम) रख लिया है। मैं नितिन कुमार अग्रवाल (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री रघुवीर प्रसाद अग्रवाल. गाँव / शहर पत्थलगांव, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम-विशंक अग्रवाल (पुराना नाम) से बदल कर अयांश अग्रवाल (नया नाम) रख लिया है।

नितिन अग्रवाल

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 16
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोरेलाल पिता स्व. महावीर जाति गोड निवासी ग्राम खैरी प.ह.न.16 रा.नि.नं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता स्व.महावीर का मृत्यु दिनांक 22-08-1999 को ग्राम खैरी में हुई है।अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा प्राया है। आवेदक अपने पिता महावीर मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत खैरी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है।जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-6-अ/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल आ० चेतराम अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की मोहल्ला सदर रोड़, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर-08 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 2854/2घ एवं 2854/ड. रकबा 399 वर्गफीट एवं 399 वर्गफीट भूमि नजूल अभिलेख में दर्ज है। आवेदक के द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 24.03.1998 को 154, 154 वर्गफीट भूमि विक्रेता कमल कुमार अग्रवाल एवं रमेश कुम कुमार से कय किया गया है। उक्त भूमि को राजस्व निरीक्षक नजूल द्वारा नामान्तरण पश्चात रकबा 154, 154 वर्गफीट के स्थान पर त्रुटिपूर्ण रकबा 399, 399 वर्गफीट दर्ज कर दिया गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि में दर्ज त्रुटिपूर्ण रकबा 399, 399 वर्गफीट के स्थान पर रकबा 154, 154 वर्गफीट दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंश खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-22/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः-06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम - भंवराही प.ह.न. 06
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सफीक पिता पीर मोहम्मद जाति मुसलमान निवासी ग्राम भंवराही प.ह.न.06 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता धनेसरी का मृत्यु दिनांक 03/05/2012. को ग्राम भंवराही में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माता धनेसरी का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भंवराही को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 13/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम -खैरी प.ह.न. 16
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोरेलाल पिता स्व.महावीर जाति गोड़ निवासी ग्राम खैरी प.ह.न रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के बड़े पिता स्व.चरकु का मृत्यु दिनांक 16.05.2003.को ग्राम खैरी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने बड़े पिता स्व.चरकु का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत खैरी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक. 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 04
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सहदेव सिंह पिता आनन्द सिंह जाति गोड निवासी ग्राम कुरीडीह प.ह.न.04 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र हिमांशु सिंह का जन्म दिनांक 15-07-2009 को ग्राम कुरीडीह में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र हिमांशु सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुरीडीह को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 16/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक. 06/07/2026.को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम-तरका प.ह.न. 02.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवशरण पिता स्व.जयलाल जाति खैरवार निवासी ग्राम तरका प.ह.न. 02 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री सोनकुंवर आ. देवशरण का जन्म. दिनांक 03/01/2007.को ग्राम तरका में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री सोनकुंवर का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत तरका को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 13/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक. 10/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रंजना वर्मा आ०/पति स्व० विनय वर्मा व अन्य जाति, निवासी गोपाल होटल के पीछे सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 582 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

7 महीने बाद जन नायकन की रिलीज डेट पर लगी मुहर...

नई दिल्ली। सी. जोसेफ विजय उर्फ थलापति विजय अब तमिलनाडु के सीएम बन चुके हैं। राजनीति में आने से पहले ही अभिनेता ने खुलासा कर दिया था कि वह अभिनय छोड़ रहे हैं और उनकी आखिरी फिल्म जन नायकन है। चुनाव से पहले ही जन नायकन रिलीज होने वाली थी। मगर अटक गई। अब करीब 7 महीने बाद अभिनेता की आखिरी फिल्म बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। इसे सेंसर बोर्ड से कुछ दिन पहले ही हरी झंडी मिली थी। कनाडा में इसे यॉर्क सिनेमा के द्वारा रिलीज की जाएगी। 24 जुलाई से पर्दे पर धमाल मचेगा। थिएटर में जबरदस्त जश्न के लिए तैयार हो जाइए।

लाइफ Style

प्रियामणि

गोलमाल 5 में निभाएंगी विलेन का किरदार

रोहित शेट्टी 'गोलमाल 5' के साथ इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में फिर से वापसी कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार फिल्म में अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है। वहीं, शरमन जोशी की वापसी हुई है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मेकर्स दर्शकों को कास्टिंग से जुड़े एक चौंकाने वाले ट्विस्ट से हैरान करने के लिए तैयार हैं। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में द फैमिली मैन और शाहरुख खान की जवान फेम एक्ट्रेस प्रियामणि की भी एंट्री हुई है। प्रियामणि फिल्म में एक नेगेटिव रोल में नजर आएंगी, जो उनके पिछले किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रियामणि 'गोलमाल 5' में एक नेगेटिव किरदार निभाएंगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि इस कास्टिंग से कॉमेडी फ्रैंचाइजी में कुछ नयापन आएगा। अपनी अलग-अलग तरह की भूमिकाओं के लिए मशहूर, नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली इस एक्ट्रेस ने ज्यादातर इमोशनल और दमदार किरदार निभाए हैं। फिल्म की मुख्य विलेन के तौर पर उनका यह नया रूप रोहित शेट्टी की कॉमेडी और मस्ती-मजाक वाली फिल्मों में एक नया रंग जोड़ सकता है। रोहित शेट्टी के साथ प्रियामणि का यह पहला काम नहीं है। इससे पहले वह शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के जबरदस्त डांस नंबर '1 2 3 4 गेट ऑन द डांस फ्लोर' में नजर आ चुकी हैं।

हॉलीवुड मसाला

इट्स ए... गाने से मिली थी शोहरत

लॉस एंजिल्स। टोटल एक्लिप्स ऑफ द हार्ट जैसे चर्चित गाने की सिंगर बॉनी टायलर का निधन हो गया है। 75 साल की उम्र में इस हॉलीवुड सिंगर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। टल एक्लिप्स ऑफ द हार्ट और होल्डिंग आउट फॉर ए हीरो जैसे कई हिट सॉन्ग गाने वाली बॉनी टायलर की आज भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। 8 जून, 1951 को वेल्स में जन्मीं बॉनी टायलर का असल नाम गेनर हॉपकिंस था। वह अपनी जादुई आवाज के लिए जानी जाती थीं। उनके गाने म्यूजिक चार्ट्स में टॉप पर बने रहते थे। 1977 में इट्स ए हार्टएक गाने से बॉनी को खूब शोहरत मिली।

एमी अवॉड्र्स : द पिट को सबसे अधिक 25 नॉमिनेशन

लॉस एंजिल्स। एमी अवॉड्र्स को टीवी की दुनिया में सबसे सम्मानित पुरस्कार माना जाता है। साल 2026 के लिए एमी अवॉर्ड के लिए नामांकनों का ऐलान हो चुका है। इस सूची में सबसे ज्यादा श्रेणियों में नॉमिनेशन के साथ मेडिकल ड्रामा सीरीज 'द पिट' सबसे आगे है। 'द पिट' को कुल 25 नामांकन हासिल हुए हैं। इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा की 'हेड्स ऑफ स्टेट' ने भी जगह बना ली है। वहीं, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की लिस्ट में जेंडाया का नाम है। इसके अलावा और किस-किसको नॉमिनेशन में

जगह मिली है? बीते दिन बुधवार को अभिनेत्री लिजा कोलोन-जायस और अभिनेता जेफ हिलर ने 2026 प्राइमटाइम एमी अवॉड्र्स के नॉमिनेशन की घोषणा की। इस लिस्ट में 'द बियर', 'हैक्स', 'द पिट' और 'स्लो हॉर्सेस' जैसे बड़े कॉमेडी, ड्रामा और एंथोलॉजी शो शामिल हैं।

रहमान ने की सोनू की तारीफ...

मुंबई। मशहूर संगीतकार एआर रहमान ने अपनी आने वाली फिल्म बंटवारा 1947 के एक गाने के लिए सिंगर सोनू निगम के साथ काम किया है। रहमान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी खुशी जाहिर की है। फिल्म बंटवारा 1947 के गाने 'ओह तबस्सुम' को सोनू निगम ने गाया है। एआर रहमान ने एक्स हैंडल पर सोनू की जमकर तारीफ की है। रहमान ने सोनू से पूछा, 'भाई, गाते समय अपनी आवाज में इतना रोमांस कैसे ले आते हों।' 'बंटवारा 1947' असगर वजाहत के मशहूर नाटक 'जिस

लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई' पर आधारित है। कहानी देश के बंटवारे के समय एक हिंदू परिवार की है, जिसे लाहौर आना पड़ता है। वहां उन्हें एक हवेली मिलती है, जहां पहले से ही एक बुजुर्ग मुस्लिम महिला रह रही होती हैं। यह फिल्म राजनीति के बजाय मानवीय रिश्तों और दर्द को दिखाती है।

'भाई तेरा स्टार है' का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। 'भाई तेरा स्टार है' का मजेदार ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में राघव लंदन में रहने वाले एक ऐसे एक्टर के रोल में हैं, जो काम पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। फिल्म की ताकत राघव जुयाल का स्वाभाविक मजाकिया अंदाज और उनकी दमदार कॉमिक टाइमिंग है। ट्रेलर के कई सींस काफी मजेदार हैं, जिनमें राघव की एनर्जी देखने लायक है। राघव ने कई लोगों से उधार ले रखा है। जब लोग अपने पैसे मांगते हैं, तो वह अपनी एक्टिंग के दम पर

झूठी कहानियां बनाता है और बचने के तरीके ढूंढता है। कर्जों से निपटने का उनका यह अंदाज बेहद मजेदार है। फिल्म में राघव को कर्ज देने वाले एक व्यक्ति का किरदार मशहूर अभिनेता संजय कपूर निभा रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी मसाला

'सेहर होने को है' 7 साल के लीप के साथ, भविका बनीं सेहर

मुंबई। महेर फीवर अब एक नए शिखर पर पहुंचने वाला है, क्योंकि कलर्स का ड्रामा 'सेहर होने को है' सात साल का लीप लेकर आ गया है, जिसमें भविका शर्मा टाइटल रोल निभा रही हैं। जुदाई के इस लंबे दौर ने इन स्टार-क्रॉस्ड लवर्स (महिद और सेहर, पार्थ समथान और भविका द्वारा निभाए गए किरदार) की किस्मतें बदल दी हैं। दोनों अब बिल्कुल अलग इंसान बन चुके हैं, जिन्हें एक अनसुलझी त्रासदी ने बांध रखा है। सेहर ने अपने बचपन के सपने पूरे कर लिए हैं। उसने एमबीबीएस डिस्टिंक्शन के साथ पूरा किया है और अब वह डॉ. सेहर कौसर बैग है एक शानदार न्यूरोलॉजी रेजिडेंट। उसके लिए मेडिसिन उसकी मां कौसर से किया गया एक पवित्र वादा है। लेकिन, आत्मविश्वास के पीछे उसका टूटा हुआ दिल छिपा है। वह महिद से नफरत करती है और अपनी मां की मौत के लिए उसे जिम्मेदार मानती है। इस बीच, महिद एक सम्मानित मुफ़्ती के पद पर पहुंच चुका है। उसकी सधी हुई शख्सियत के पीछे एक ऐसा मन छिपा है जो गहरे ट्रॉमा से टूट रहा है। वह खुद को अपनी मां और कौसर दोनों की रक्षा न कर पाने के लिए दोषी मानता है। यह जानकर कि सेहर अपनी मां की मौत के लिए उसे जिम्मेदार ठहराती है, उसे हर दिन सताता है। यही अपराधबोध उसे कठोर आत्म-दंड की ओर धकेलता है। इस बर्बादी को परछाइयों से देख रही है हुस्ना, जो अपनी रची हुई चालाकियों की जीत का जश्न मना रही है। लेकिन किस्मत सेहर को फिर से नियाजी मंजिल में खींच लाती है, जहां उसे उस इंसान का सामना करना पड़ता है जिससे वह सात साल से दूर भाग रही थी।

'आज दुनिया खामोश हो गई'

मुंबई। मशहूर टीवी होस्ट और बॉलीवुड एक्टर मनीष पॉल की मां उर्मिल पॉल का 77 साल की उम्र में दिल्ली में निधन हो गया। मनीष ने मां के निधन

के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद ही इमोशनल पोस्ट साझा किया है। इसके साथ ही अभिनेता ने अपने प्रशंसकों से अपनी मां की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है। मां के जाने से दुखी मनीष पॉल ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। मनीष ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ कई तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ ही मनीष ने कैप्शन में लिखा, 'आज दुनिया कुछ ज्यादा खामोश है'। मनीष ने अपनी मां को याद करते हुए लिखा कि आज उन्होंने अपनी मां को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। उन्होंने अपनी मां को अपना पहला घर, सबसे बड़ा सहारा और दुनिया की सबसे मजबूत महिला बताया। मनीष ने आगे लिखा, 'शब्द कभी यह नहीं बता सकते कि मेरी मां मेरे लिए क्या थीं और उनके जाने से जिंदगी में कितना बड़ा खालीपन आ गया है।

21 साल पहले भारत में बैन हो गई थी ये फिल्म, अक्षय थे इसका हिस्सा...

नई दिल्ली। इन दिनों दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी से हटाए जाने पर बवाल मचा हुआ। हालांकि, इससे पहले भी कई फिल्मों को भारत में बैन करना पड़ गया है, जिनमें से एक 21 साल पुरानी विवादित फिल्म भी शामिल है। 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरीं। एकेडमी अवॉड्र्स यानी ऑस्कर में भी गई। मगर भारत में फिल्म की रिलीज पर घमासान मचा रहा। भारत में फिल्म आई भी लेकिन इसे हटा दिया गया और फिर बैन कर दिया गया।

खूब बवाल मचा था बवाल : जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, वो है दीपा मेहता की ट्रिलॉजी की तीसरी कड़ी वॉटर मूवी की। फिल्म में जॉन अब्राहम, लीजा रे, सीमा बिस्वास, सरला और मनोरमा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म इंडियन-कैनेडियन फिल्ममेकर दीपा मेहता ने बनाया। जब यह फिल्म बन रही थी, तब इस पर खूब बवाल मचा था। आलम यह था कि फिल्म का सेट भी जला दिया गया था।

फिल्म को लेकर भड़के थे लोग : फिल्म की शूटिंग वाराणसी में की जानी थी, लेकिन फायर मूवी (दो लेस्बियन पर आधारित) को लेकर पहले से ही विवादों में घिरीं दीपा मेहता की अगली फिल्म वॉटर की शूटिंग का पता चला तो कुछ लोग प्रदर्शन करने लगे। इस फिल्म को एंटी-हिंदू बताया गया और सेट जला दिया गया। इस बवाल के चलते फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया। उस वक्त अक्षय इसकी शूटिंग करने वाले थे।

अक्षय बनने वाले थे लीड हीरो : एक बातचीत में दीपा ने रिवील किया था कि वॉटर फिल्म की असली स्टार कास्ट पहले अक्षय कुमार, शबाना आजमी और नंदिता थे। मगर बवाल मचने के बाद फिल्म 3-4 साल बाद रुकी रही। फिर नई कास्ट के साथ फिल्म को श्रीलंका में शूट किया गया। यह फिल्म भारत में तो बैन रही, लेकिन विदेश में इसे सराहा गया।

क्या है फिल्म की कहानी?

1938 में सेट फिल्म की कहानी विधवा महिलाओं की दुर्गति को दिखाता है। कहानी 'चुइया' नाम की 8 साल की लड़की के बारे में है जो विधवा हो जाती है और उसे प्रायश्चित करने के लिए एक आश्रम में भेज दिया जाता है। उससे उम्मीद की जाती है कि वह अपनी बाकी जिंदगी सादगी और प्रार्थना में बिताएगी।

आज सिनेमाघरों में रिलीज होंगी तीन फिल्में, दो अंग्रेजी फिल्में हिंदी वर्जन में

नई दिल्ली। शुक्रवार को हिंदी के दर्शकों को सिनेमाघरों में तीन नई फिल्मों का तोहफा मिलने वाला है। हफ्ते की सबसे बड़ी रिलीज 'धमाल 4' है, जो फ्रैंचाइजी की चौथी फिल्म है। इसी के साथ दो अंग्रेजी फिल्में भी हिंदी डब वर्जन में बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली हैं। शुक्रवार को ही हॉरर फिल्म 'ईविल डेड बर्न' भी रिलीज हो रही है, जो 'ईविल डेड फ्रैंचाइजी' की छठी मूवी है। दूसरी ओर, ड्वेन जॉनसन और कैथरीन लागाइया की 'मोआना' रिलीज हो रही है, जो डिज्नी के पॉपुलर एनिमेशन फ्रैंचाइजी की पहली लाइव-एक्शन फिल्म है।

धमाल 4 : हिंदी के दर्शकों के लिए इस हफ्ते की सबसे बड़ी रिलीज धमाल4 है, जिसे इंद्र कुमार ने डायरेक्ट किया है। यह 'धमाल फ्रैंचाइजी' की चौथी एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है। टी-सीरीज फिल्म्स, पैनोरमा स्टूडियोज, और देवगन फिल्म्स के साथ मारुति इंटरनेशनल ने इसे प्रोड्यूस किया है। फ्रैंचाइजी की पिछली तीन फिल्में धमाल (2007), डबल धमाल (2011) और टोटल धमाल (2019) बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थीं। अब इस चौथी फिल्म से भी

यही उम्मीदें हैं। धमाल 4 में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख, ईशा गुप्ता और विजय पाटकर हैं।

मोआना : मोआना एक अमेरिकी म्यूजिकल एडवेंचर फिल्म है, जो डिज्नी एनिमेशन की 2016 की इसी नाम की फिल्म का लाइव-एक्शन वर्जन है। मतलब कि पिछली फिल्म जहां एनिमेशन थी, इस बार इसमें एक्टर-एक्ट्रेसेस पॉपुलर किरदार निभाते नजर आएंगे। 'मोआना फ्रैंचाइजी' की इस तीसरी और पहली लाइव-एक्शन फिल्म को थॉमस काइल ने डायरेक्ट किया है। कहानी जेरेड बुश और डाना लेडौक्स मिलर ने लिखी है। इसमें ड्वेन जॉनसन के साथ कैथरीन लागाइया लीड रोल में हैं। यह कैथरीन की डेब्यू फिल्म है। कहानी के केंद्र में मोआना है, जो मोटुनुई द्वीप की एक बहादुर युवा लड़की है और जो समुद्र की पुकार सुन सकती है। वह डेमीगॉड माउई को खोजने के लिए अपना कबीला, अपना घर छोड़ती है। मोआना भी शुक्रवार 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। आप इसे हिंदी डब वर्जन में भी देख सकते हैं।

ईविल डेड बर्न : ईविल डेड बर्न एक अमेरिकी सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म है। इसे सेबेस्टियन वानिचेक और फ्लोरेंट बर्नार्ड ने डायरेक्ट किया है। इन्हीं दोनों ने फिल्म की कहानी भी लिखी है। यह 'ईविल डेड' (2013) और 'ईविल डेड राइज' (2023) की एक स्टैंडअलोन सीक्वल है। इसमें सुहेला याकूब, टैंडी राइट, हंटर डूहान, लुसियाने बुकानन, एरॉल शैंड और मौड डेवी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'ईविल डेड बर्न' वैसे तो मूल रूप से अंग्रेजी फिल्म है, लेकिन 10 जुलाई को यह सिनेमाघरों में हिंदी डब वर्जन में भी रिलीज हो रही है।

इक्का से बाल्टी तक, रिलीज की कतार में ये फिल्में और सीरीज

इस वीकएंड ओटीटी पर होगी एंटरटेनमेंट की झमाझम बरसात

नई दिल्ली। बरसात वाला मौसम आ गया है। बारिश भी आ गई है। इस झमाझम बारिश के बीच वीकएंड ने भी दस्तक दे दी है। एक तरफ सिनेमाघरों में कई फिल्में सजी हुई हैं। मगर, मौसम का मिजाज देखकर अगर घर बैठे ही ओटीटी पर कुछ देखना है, तो उसके लिए भी बढ़िया इंतजाम है।

इक्का

सनी देओल और अक्षय खन्ना अभिनीत यह इस सप्ताह रिलीज होने वाली सबसे चर्चित फिल्म है। इसके जरिए सनी देओल ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'इक्का' में सनी देओल वकील की भूमिका में हैं। दीया मिर्जा का भी अहम रोल है। सनी देओल का वह अंदाज देखने को मिल सकता है, जो फिल्म 'दामिनी' में मिला था। फिल्म 'इक्का' 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

पेद्दी

राम चरण और जान्हवी कपूर की अदाकारी से सजी साउथ की फिल्म ने सिनेमाघरों में खूब धूम मचाया है। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसमें एक ऐसे खिलाड़ी की कहानी दिखाई गई है जो कई खेल में माहिर है। वह अपने गांव का नाम रौशन करना चाहता है, मगर राजनीति उसके आड़े आती है। यह फिल्म 9 जुलाई गुरुवार से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है।

पति पत्नी और वो दो

आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने को तैयार है। थिएटर्स में इसे दर्शकों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। आयुष्मान खुराना ने इसमें ऐसे शख्स का किरदार निभाया है, जो शादीशुदा है। उसकी मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब वह दूसरी लड़कियों से मिलता है। यह फिल्म 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बाल्टी

अगर स्पोर्ट्स ड्राम फिल्मों में आपकी दिलचस्पी है तो इसे देखें। फिल्म 'बाल्टी' चार कबड्डी के खिलाड़ियों पर आधारित है। उन्हें एक गैंग परेशान करता है। यह फिल्म मलयालम भाषा में रिलीज हुई थी। इसे हिंदी में भी डब किया गया है। इसे 10 जुलाई से सोनी लिव पर देखा जा सकता है।

परिमाला एंड कंपनी

तमिल भाषा की फिल्म 'परिमाला एंड कंपनी' एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर है। इसमें सस्पेंस, फैमिली ड्रामा और ह्यूमर है। इसे पंडिराज ने डायरेक्ट किया है। इसमें जयराम, संजना कृष्णमूर्ति और अनंथिका सनिलकुमार हैं। यह फिल्म 10 जुलाई से जी 5 पर स्ट्रीम होगी।

आई एम नॉट अफरेड

मिस्ट्री ड्रामा वेब सीरीज 'आई एम नॉट अफरेड' में एक ऐसे लड़के की कहानी दिखाई गई है, जिसे अपने घर के पास एक लड़का जमीन के नीचे बंद मिलता है। वह उस लड़के की मदद करता है। हालांकि उसका परिवार उसके खिलाफ रहता है। यह सीरीज 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

एक माह से बिछड़ी महिला को सखी सेंटर ने परिजनों से मिलाया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कई बार एक अनजान भाषा भी किसी की जिंदगी बदल देती है, सूरजपुर में सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम ने ऐसा ही कर दिखाया है। टीम ने एक महीने से परिवार से बिछड़ी मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को उसकी भाषा के सहारे उसके अपनों तक पहुंचा दिया। बताया गया है कि जयनगर थाना क्षेत्र के शिवसागरपुर से मिली महिला अपनी पहचान बताने की स्थिति में नहीं थी। वह न छत्तीसगढ़ी समझ पा रही थी, न हिंदी और न ही सरगुजिहा, जिससे उसकी पहचान करना बड़ी चुनौती बन गई थी। सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलिंग टीम ने महिला की बातचीत के दौरान समझा कि उसे सादरी भाषा आती है,,इसके बाद टीम ने उसी भाषा

में बातचीत शुरू किया और धीरे-धीरे महिला ने अपने गांव का नाम शंकरगढ के बेलकोना होना बताया जो बलरामपुर जिले में है। जानकारी की कड़ी जोड़ते हुए टीम ने शंकरगढ़ के उपसरपंच के माध्यम से बेलकोना के सरपंच से संपर्क किया, तब पता चला कि महिला पिछले एक महीने से लापता थी और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। जिसके बाद परिवार को महिला के सूरजपुर में होने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही महिला का भाई पहुंचा, एक महीने बाद बहन को सामने देखकर उसकी आंखें खुशी से भर आईं। परिजनों ने बताया कि महिला अपने पति के साथ निकली थी और उसके बाद से लापता हो गई थी। उन्हें लगा था कि वह पति के साथ ही होगी, लेकिन जब सखी वन स्टॉप सेंटर से फोन आया तो खोई हुई बहन के मिलने की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। फ़िलहाल एक महीने से बिछड़ी बहन जब अपने भाई से मिली, तो खुशी के आंसू दोनों की आंखों में साफ नजर आए, यह पहल बताती है कि संवेदनशीलता और सही प्रयास से किसी के घर की खुशियां वापस लाई जा सकती हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर की इस पहल ने साबित कर दिया कि अगर कोशिश सच्ची हो, तो भाषा की दीवार भी अपनों से मिलने का रास्ता बन जाती है।

आधार, आईडी और अंकसूची में विसंगति से प्रभावित हो रहा कॉलेज प्रवेश, विद्यार्थी परेशान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के महाविद्यालयों में वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश के दौरान विद्यार्थियों के सामने आधार कार्ड, अपार आईडी और दसवीं की अंकसूची में नाम एवं जन्मतिथि संबंधी विसंगतियां बड़ी समस्या बनकर उभर रही हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थी हो रहे है।

जानकारी के अनुसार, कई विद्यार्थियों के आधार कार्ड में नाम अथवा जन्मतिथि की त्रुटियां हैं, जिनका सुधार पहले की तरह चॉइस सेंटर के माध्यम से आसानी से नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर, पूर्व वर्षों में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर चुके कई विद्यार्थियों की अपार आईडी में भी विवरण संबंधी त्रुटियां सामने आ रही हैं। उच्च शिक्षा विभाग की प्रवेश संबंधी गाइडलाइन के अनुसार महाविद्यालय में प्रवेश के लिए अपार आईडी, आधार कार्ड और दसवीं की अंकसूची में दर्ज नाम एवं जन्मतिथि का एक समान होना आवश्यक है। तीनों दस्तावेजों में विवरण का मिलान नहीं होने से अनेक विद्यार्थी प्रवेश लेने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। महाविद्यालयों से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। दस्तावेजों की विसंगतियों के कारण कई विद्यार्थी समय पर प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं, जिससे उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश का प्रतिशत भी प्रभावित होने की आशंका है। दस्तावेजों में त्रुटियों के कारण विद्यार्थी और उनके अभिभावक चिंतित हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधार की प्रभावी व्यवस्था नहीं हुई तो अनेक पात्र विद्यार्थी केवल तकनीकी कारणों से उच्च शिक्षा में प्रवेश से वंचित रह सकते हैं।

भाजपा सरकार ने संभाग के अनुसूचित जाति वर्ग का किया अपमान : शशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर अनुसूचित जाति वर्ग की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य सरकार के हालिया फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि सरगुजा संभाग के अनुसूचित जाति समाज को योजनाबद्ध तरीके से प्रतिनिधित्व से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि अनुसूचित जाति आयोग के गठन में सरगुजा संभाग से किसी भी प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया, जो पूरे संभाग के अनुसूचित जाति समाज का अपमान है। कांग्रेस नेत्री एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शशि सिंह ने जारी बयान में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में गठित अनुसूचित जाति आयोग में सरगुजा संभाग को प्रतिनिधित्व नहीं देकर भाजपा ने इस समाज की उपेक्षा की है।

शशि सिंह ने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है, बल्कि लगातार ऐसे निर्णय लिए जा रहे हैं जिनसे अनुसूचित जाति वर्ग की भागीदारी कमजोर होती दिखाई दे रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए एक भी वार्ड आरक्षित नहीं किया गया, वहीं प्रेमनगर नगर पंचायत में अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षित वार्ड को भी समाप्त कर दिया गया। उनका आरोप है कि यह सब योजनाबद्ध तरीके से किया गया है, जिससे समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सीमित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा का यह रवैया उसके अनुसूचित जाति समाज के प्रति दृष्टिकोण को उजागर करता है। कांग्रेस हमेशा सामाजिक न्याय और सभी वर्गों की समान भागीदारी की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अनुसूचित जाति समाज को सम्मान देते हुए अनुसूचित जाति आयोग तथा विकास प्राधिकरण में समाज के प्रतिनिधियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी थीं। शशि ने कहा कि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के दौरान उन्हें अनुसूचित जाति समाज के लोगों के बीच जाने और उनकी समस्याओं को निकट से समझने का अवसर मिला। समाज के लोगों की अपेक्षा केवल सम्मानजनक प्रतिनिधित्व और विकास में समान भागीदारी की है, लेकिन वर्तमान सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है। कांग्रेस अनुसूचित जाति समाज के साथ मजबूती से खड़ी है और भविष्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर समाज को उचित सम्मान, प्रतिनिधित्व और अधिकार सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। साथ ही उनके हितों की रक्षा और उनके विकास के लिए पूर्व की तरह ठोस निर्णय लिए जाएंगे।

कांग्रेसियों ने फूंका पीएम व सीएम का पुतला, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष की गिरफ्तारी का विरोध

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस नेताओं की छवि धूमिल करने और राजनीतिक प्रतिशोध के तहत की जा रही कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को यहां जिला मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर विरोध प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। यह उग्र प्रदर्शन जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में हुआ।प्रदेश के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारी, अग्रिम संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विरोध स्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री

विष्णु देव साय का पुतला दहन किया।प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशि सिंह, जिला महामंत्री संजय दोषी, विद्या सागर सिंह, नरेंद्र जैन, कुलदीप बिहारी,नप्रदीप साहू, राजू गुप्ता, परवेश गोयल, महेंद्र साहू, कवल बिहारी टेकाम, हेमलता राजवाड़े, लीली राजवाड़े, संतोष पावले, सुनील सारथी, विक्की समद्दर, अविनाश साहू, राजू राजवाड़े, बबीता गुप्ता, रोहन राजवाड़े, शतवंत सिंह, चन्द्रदत दुबे, परमेश्वर राजवाड़े, संदीप शर्मा, शांतु दोषी, गिरधारी साहू, ज्ञान गुप्ता, शक्ति ठाकुर, इमरान इराकी, जरीना सुल्ताना, दिव्या ताँजे,दिनेश राजवाड़े, आशीष सिंह सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घर के समीप से बकरा उठा ले गया जंगली जानवर, राष्ट्रीय उद्यान से लगे गांवों में दहशत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र के ग्राम कोल्हूआ में जंगली जानवरों की बढ़ती गतिविधियों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को दिनदहाड़े एक जंगली जानवर ने एक घर के समीप से बकरे को अपना शिकार बना लिया।जिससे गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीण खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार संतोष पनिका का बकरा घर के बगल में चर रहा था। इसी दौरान जंगल की ओर से आए एक जंगली जानवर ने अचानक हमला कर बकरे को पकड़ लिया और घसीटते हुए जंगल की ओर ले भागा। ग्रामीण कुछ कर पाते इससे पहले वह घने जंगल में गायब हो गया। ग्रामीण जंगल की ओर बकरे की तलाश में निकले। काफी खोजबीन के बाद जंगल किनारे बकरे का क्षत-विक्षत अवशेष मिला। इस घटना के बाद गांव में भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि अब घर के आसपास भी मवेशियों को चराना सुरक्षित नहीं रह गया है। सूचना वन विभाग को दी गई। बिहारपुर रेंजर मेवा लाल पटेल ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच करेगी तथा नियमानुसार पंचनामा एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद शासन के प्रावधानों के अनुसार पीड़ित पशुपालक को क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए संबंधित दस्तावेज वन विभाग कार्यालय में जमा कराने होंगे।

रेंजर मेवा लाल पटेल ने बताया कि ग्राम कोल्हूआ के समीप गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान से सटा हुआ घना जंगल है। इसी कारण आए दिन जंगली जानवर भोजन और पानी की तलाश में गांव की ओर आ जाते हैं, जिससे मवेशियों पर हमले की घटनाएं होती रहती हैं। वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है और ग्रामीणों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

कन्या स्कूल की छात्राओं को दी गई बाल विवाह, सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में यहां जिला मुख्यालय के नवापारा स्थित कन्या हाई स्कूल में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के द्वारा बच्चियों को बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणाम के सम्बंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, सेफ टच-अनसेफ टच, नशे से बचाव, किशोर न्याय अधिनियम, यातायात नियमों तथा मासिक धर्म स्वच्छता पर जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि बाल विवाह कराना या उसमें सहयोग करना दंडनीय अपराध है तथा ऐसी किसी भी घटना की सूचना 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर दी जा सकती है।

इसके साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं, महिला सुरक्षा, कानूनी सहायता एवं परामर्श सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा जारी रखने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर हेल्पलाइन एवं संबंधित संस्थाओं से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार, महिला एवं बाल विकास विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महुली उप स्वास्थ्य केंद्र पर लटका ताला, बैरंग लौटे मरीज, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ एवं पहाड़ी आदिवासी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली एक बार फिर सामने आई है। महुली उप स्वास्थ्य केंद्र, जो आसपास के दो दर्जन से अधिक गांवों के हजारों ग्रामीणों के लिए प्राथमिक उपचार का प्रमुख केंद्र है, गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे ताला बंद मिला। इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीज घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र बंद होने के कारण उन्हें बिना उपचार के वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के दावे करती है, लेकिन महुली उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति इन दावों की पोल खोल रही है। पहाड़ी और वनांचल क्षेत्र के गरीब आदिवासी परिवारों के लिए समय पर इलाज आज भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

इलाज कराने पहुंचे कई मरीज लगभग 20 किमी दूर से महुली आए थे। किसी के बच्चे को चोट लगी थी तो कोई बुखार और अन्य बीमारियों से परेशान था। लेकिन स्वास्थ्य केंद्र में ताला के कारण मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार मजबूरी में उन्हें बिहारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या मध्यप्रदेश के बैढ़न जाकर

इलाज कराना पड़ता है, जिससे समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ जाते हैं।

बाइक एंबुलेंस कभी बनी थी ग्रामीणों की जीवनरेखा

सरकार ने दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च कर महुली उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए बाइक एंबुलेंस उपलब्ध कराई थी। उस समय जिला प्रशासन ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया था और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया था। यह समाचार पत्रों की भी सुर्खियां बना था।

बाइक एंबुलेंस के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को समय पर स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया जाता था। खराब सड़क और जंगल-पहाड़ वाले क्षेत्र में यह सेवा लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। परंतु अब बाइक एंबुलेंस सेवा पूरी तरह बंद हो चुकी है। एंबुलेंस का ढांचा हटाकर बाइक का उपयोग अन्य कार्यों में किया जा रहा है, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा समाप्त हो गई है और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मरीजों को निजी अस्पताल जाने की सलाह

ग्राम चोगा निवासी चंद्रशेखर साहू ने बताया कि वह अपने घायल बच्चे का इलाज कराने महुली उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे थे। वहां मौजूद नर्स ने बताया कि केंद्र में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें निजी अस्पताल में इलाज कराने या बिहारपुर जाने की सलाह दी गई। मजबूरी में उन्हें अपने बच्चे का इलाज कराने मध्यप्रदेश के बैढ़न जाना पड़ा। महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान में जीवनदीप समिति के माध्यम से केवल एक नर्स की तैनाती है। डॉक्टर नहीं होने के कारण मरीजों की जांच, दवा लिखना, इंजेक्शन लगाना, सलाइन चढ़ाना तथा अन्य आवश्यक उपचार नहीं हो पाते। नर्स केवल सामान्य टैबलेट और सिरप उपलब्ध करा सकती है। महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव, स्वास्थ्य कर्मियों की अनुपस्थिति और बाइक एंबुलेंस सेवा बंद होने जैसे मुद्दों पर लगातार सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है।

केंद्र प्रभारी ने कहा-नर्स खाना खाने गई थी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर के प्रभारी डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में जीवनदीप समिति के माध्यम से एक नर्स की तैनाती की गई है, जो सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक ओपीडी संचालित करती है। जिस समय स्वास्थ्य केंद्र बंद मिला, उस समय नर्स भोजन के लिए गई हुई थी। उन्होंने यह भी बताया कि बाइक एंबुलेंस मॉडल उस क्षेत्र में सफल नहीं रहा, इसलिए उसके संसाधनों का उपयोग चिकित्सा कार्यों में किया जा रहा है। प्रसव के मामलों में गर्भवती महिलाओं को एक-दो दिन पहले स्वास्थ्य केंद्र बुलाकर सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था की जाती है।

ग्रामीणों ने की जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जांच व जिम्मेदार पर कार्रवाई सहित, नियमित डॉक्टर की नियुक्ति, दवाओ की उपलब्धता, बाइक एंबुलेंस सेवा पुनः शुरू करने तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि दूरस्थ क्षेत्र के गरीब परिवारों को इलाज के अभाव में भटकना ना पड़े।

कार्यशाला में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अग्निवीर, वायु सेना व विभिन्न भर्ती की दी गई जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में वायुसेना भर्ती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारतीय वायु सेना मुख्यालय भोपाल के अधिकारी राजीव खटाना एवं योगेश बेलवाल द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय वायु सेना में उपलब्ध रोजगार एवं कैरियर के अवसरों, भर्ती प्रक्रिया तथा आवश्यक योग्यताओं की विस्तृतजानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इस दिशा में विशेष कैरियर मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रदान करना था। कार्यक्रम में वायु सेना के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को भारतीय वायु सेना की गौरवशाली परंपरा, राष्ट्र की सुरक्षा में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा अनुशासन, समर्पण और देशसेवा के मूल्यों से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना युवाओं को सम्मानजनक कैरियर, आधुनिक तकनीक के साथ कार्य करने का अवसर, उत्कृष्ट प्रशिक्षण तथा उज्ज्वल भविष्य प्रदान करती है। कार्यशाला के दौरान अग्निवीर वायु सेना सहित अन्य भर्ती योजनाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक एवं चिकित्सीय मानक, लिखित परीक्षा, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, शारीरिक दक्षता, दस्तावेज़ सत्यापन तथा मेडिकल परीक्षण जैसी सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करना होता है। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समझाया कि गणित, विज्ञान एवं अंग्रेज़ी विषयों की अच्छी तैयारी, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन तथा सकारात्मक सोच सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी, उप वनमण्डल उदयपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरगुजा वनमण्डल अंतर्गत उदयपुर उपवनमण्डल के वन परिक्षेत्र उदयपुर में दिनांक 29.09.2024 को गश्ती के दौरान वन परिक्षेत्र उदयपुर के वन कर्मचारियों द्वारा हिरो होण्डा सी.डी. डिलक्स, वाहन क्रमांक CG12 AD 0847 को उसमें लोड अवैध वनोपज साल चिरान 04 नग = 0.055 घनमीटर सहित स्थान कक्ष क्रमांक P2058 (उदयपुर से चकेरी मार्ग), तहसील उदयपुर जिला सरगुजा (छ.ग.) में पकड़ा गया। अवैध वनोपज के अवैध रूप से परिवहन में लिप्त पाये जाने के कारण परिसर रक्षक सोनतरई द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52(1), धारा 41(1) एवं छ.ग. वनोपज व्यापार (विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 (1) ग के तहत् कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 18644/01 दिनांक 29.09.2024 पंजीबद्ध किया गया। जिसकी सूचना वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर द्वारा उनके पत्र क्रमांक/1310 दिनांक 30.09.2024 के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डलाधिकारी उदयपुर को दी गई।

प्रस्तुतकर्ता अधिकारी एवं वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर द्वारा प्रकरण की जांच परिक्षेत्र सहायक डांड़गांव से कराया गया। तत्पश्चात् प्रस्तुतकर्ता अधिकारी द्वारा कार्यालयीन पत्र क्रमांक/1649 दिनांक 29.09.2025 के माध्यम से जांच प्रतिवेदन प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी उदयपुर के कार्यालय में अग्रिम कार्यवाही किये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण अंतर्गत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) को पंजीकृत वाहन के वाहन स्वामी का नाम एवं पता प्राप्ति हेतु पत्र लेख किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा पंजीकृत वाहन के स्वामी संबंधी जानकारी दिया गया। तदुपरान्त उक्त जप्तशुदा वाहन के स्वामी को पर्याप्त अवसर देते हुए भारतीय डाक के माध्यम से उनके पंजीयन दस्तावेज में उल्लेखित पते पर कारण दर्शाओ सूचना पत्र प्रेषित किया गया। परन्तु पंजीयन दस्तावेज में उल्लेखित पते पर वाहन स्वामी के नहीं मिलने पर भारतीय डाक विभाग द्वारा Not located लिखकर इस कार्यालय में कारण दर्शाओ सूचना पत्र वापस कर दिया गया। अतः इस सूचना के माध्यम से अवसर देते हुए सूचित किया जाता है कि उक्त जप्त वाहन में वाहन स्वामी या जिस किसी का भी हित निहित हो, अपने स्वामित्व संबंधी समस्त वैधानिक दस्तावेजों सहित दिनांक 14.08.2026 तक या इसके पूर्व किसी भी कार्यालयीन दिवस को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् कोई दावा मान्य नहीं होगा एवं उपरोक्त जप्त वाहन को शासन के पक्ष में राजसात कर दी जावेगी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं
उप वनमण्डलाधिकारी,
उप वनमण्डल उदयपुर (छ.ग.)

जी-262701991/1

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

भाजपा सरकार के द्वारा जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का विरोध

कांग्रेस ने बारिश के बीच छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कांग्रेस को बदनाम करने के उद्देश्य से केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने के विरोध में शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा प्रधानमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। छत्तीसगढ़ की सत्ता में आने के बाद केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार लगातार कांग्रेस के नेताओं के विरुद्ध झूठे मामलों को हवा दे रही है, इसके आड़ में जांच एजेंसियों के माध्यम से उनके विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। जांच एजेंसियों के माध्यम से लगातार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके परिवार के सदस्यों, पूर्व केबिनेट मंत्री कवासी लखमा, विधायक देवेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेताओं

और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। इसके विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी जिला मुख्यालय में प्रधानमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के पुतला दहन का निर्णय लिया। इसके पालन में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने घड़ी चौक पर पुतला दहन किया।

पुतला दहन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी श्रीवास्तव, शफी अहमद, द्वितेंद्र मिश्रा, हेमंत सिन्हा, मो. इस्लाम, रामविनय सिंह, प्रशांत सिंह चीकू, इंद्रजीत सिंह धंजल, दुर्गेश गुप्ता, संजय सिंह, अशफाक अली, मो. हसन, कलीम खान, मो. बाबर, जमील खान, विकल झा, जीवन यादव, गुरूप्रीत सिद्धु, सोहन जायसवाल, निकी खान, सतीश बारी, अमित सिन्हा, प्रितपाल सिंह लकी, मोंटी, अविनाश कुमार, अमित सिंह, गीता रजक, मो. इमरान, विकास शर्मा, रोशन कन्नौजिया, तीरथ चौधरी, केदार यादव, उर्मिला विश्वास, अनुराधा सिंह, अंकित जायसवाल, मो. अख्तर, शिफ्तीन रजा, शरीक अली, राहुल सोनी, सत्यम सिंह मौजूद थे।

भाजपा के दोहरे चरित्र को जनता देख रही: पाठक

मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा पूरे देश में विपक्ष को समाप्त कर तानाशाही स्थापित करना चाहती है। इसी उद्देश्य से वो पहले विपक्षी नेताओं पर झूठे आरोप लगाती है, फिर उनके पीछे जांच एजेंसियों को छोड़ती है, लेकिन भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार के मोबाइल ऑडियो वायरल हो जाने के बावजूद उनके खिलाफ अपराध तक दर्ज नहीं करती। भाजपा के इस दोहरे चरित्र को जनता देख रही है और उसे उसके इस करनी की सजा भी वही देगी।

बारिश को देखते हुये फोम और थिरन का बनाया पुतला

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भारी संख्या में उपस्थिति के बीच तेज बारिश में पुतला दहन किया गया। बारिश से पुतला दहन प्रभावित न हो इसलिए विशेष फोम और थिनर का उपयोग करके पुतला बनाया गया था, जो बारिश के बावजूद पूर्णतः जल गया। पुलिस प्रशासन ने पुतला दहन रोकने का प्रयास किया किन्तु कार्यकर्ताओं के उत्साह ने उनके प्रयास को विफल कर दिया।

बलरामपुर में भी कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन, पीएम और सीएम का पुतला दहन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर द्वारा शुक्रवार को शहीद चौक में केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को फर्जी मामलों में फंसाकर पार्टी की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रही है।

भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शहीद चौक पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की प्रदर्शनकारियों ने केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किये। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष समीर सिंह देव, जिला उपाध्यक्ष रिपुजित सिंह देव, प्रशांत विश्वास, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, प्रदेश कांग्रेस सचिव रामदेव जगते, लालसाय मिंज, जयप्रकाश जायसवाल, अमित यादव, देवनारायण मरावी, बुद्धदेव पोया, जितेंद्र गुप्ता, शिवशंकर यादव, मधु गुप्ता, अशोक जायसवाल, रूपवती जायसवाल, संस्कृति, जयश्री पुषाम, राजा चौबे, कृपाशंकर, ब्यासमुनि यादव, चंद्रशेखर यादव, अजय यादव, इशफाक खान, आशीष यादव, महमूद अंसारी, करमदयाल राम, सुनील तिर्की, राहुल, इंतखाब, नीरज गुप्ता, उमा गुप्ता, संतन भगत, कीर्तन सिंह एवं सूरजदेव ठाकुर सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, किसान कांग्रेस, आदिवासी कांग्रेस, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस और सेवा दल के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुबह पेपर देने गया पुत्र तो मां लटकी थी फांसी पर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना अंतर्गत एक वृद्ध महिला अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, श्रीमती सावित्री देवी पति स्व. शिवशरण सिंह 80 वर्ष, विजय मार्ग में सेंट्रल बैंक के सामने अपने परिवार के सदस्यों को रहती थी। नौ जुलाई की रात को पुत्र और पुत्रवधु मां के कमरे में खाना पहुंचाने के बाद करीब 12 बजे अपने कमरे में चले गये थे। 10 जुलाई की सुबह 7 बजे सावित्री देवी का पुत्र मनोज कुमार सिंह रोजाना की भांति अपनी मां को पेपर देने के लिये कमरे में गया, तो वह छत के सिलिंग से लगे हुक और रोशनदान में साड़ी से फांसी का फंदा बनाकर लटकी थी, और उनकी मौत हो गई थी। इसकी जानकारी उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों और पुलिस को दी थी। पुलिस ने मृतिका के शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया है। मृतिका के नाती निलेश सिंह निवासी केंद्रीय विद्यालय के पास मनेन्द्रगढ़ रोड की सूचना पर पुलिस ने मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है, और अग्रिम जांच, विवेचना कार्रवाई कर रही है।

महामाया मंदिर के पास बिक रहा लड्डू जांच में स्वास्थ्य के लिये नुकसानदेह पाया गया

लैब रिपोर्ट में एसपार्टेम और सनसेट येलो तय मात्रा से कई गुना ज्यादा पाई गई

मंदिर आने वाले भक्त प्रसाद चढ़ाने में इन लड्डुओं का लम्बे समय से कर रहे उपयोग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मां महामाया मंदिर अंबिकापुर के पास बिकने वाले प्रसाद को लेकर बड़ी बात सामने आई है कि, एक दुकान से लिया गया मोतीचूर लड्डू का सैंपल सरकारी लैब में हुई जांच में पूरी तरह से स्वास्थ्य के लिये नुकसानदेह पाया गया है।

भोपाल की सरकारी मान्यता प्राप्त लैब की रिपोर्ट के अनुसार लड्डू में 2 चीजें खतरनाक स्तर पर पाई गई हैं। इनमें एसपार्टेम, कृत्रिम स्वीटनर तय मानक 1000 एमजी प्रति किलो की जगह 1700 एमजी प्रति किलो से ज्यादा मिला है। डॉक्टरों के अनुसार इसकी अधिक मात्रा से कैंसर, सिरदर्द जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। सनसेट येलो, सिंथेटिक फूड कलर भी तय मानक 100 एमजी प्रति किलो के बजाय 1100 एमजी प्रति किलो से ज्यादा पाया गया है। लड्डू को चमकदार बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था, जिसकी अधिक मात्रा सेहत के लिए हानिकारक है। खाद्य विभाग ने रिपोर्ट को असुरक्षित श्रेणी में रखा है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि लैब रिपोर्ट के आधार पर संबंधित दुकान के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। यह जांच आगे भी जारी रहेगी, ताकि लोगों के सेहत से खिलवाड़ करने वाले होटल संचालकों को सबक मिल सके।

अन्य दुकानों से भी लिए सैंपल

एक दुकान से प्रसाद के लिये बिकने वाले मिष्ठान्न की रिपोर्ट सेहत के लिये खराब आने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग हरकत में आ गया है। विभाग ने मंदिर परिसर के सामने स्थित अन्य दुकानों से भी सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। अन्य दुकानों की लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

> हम समय-समय पर मंदिर के आसपास दुकानों में बिकने वाली मिठाईयों का सैंपल लेते हैं। पिछले दो महीने में महामाया मंदिर परिसर के पास से लिया गया सैंपल जांच में असुरक्षित पाया गया है। अब नियम के अनुसार संबंधित दुकान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
> **लक्ष्मी यादव**
> **खाद्य सुरक्षा विभाग, सरगुजा**

महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय की छत का प्लास्टर गिरने से सीडीपीओ सहित 3 जख्मी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के सीतापुर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना कार्यालय में परियोजना अधिकारी के कक्ष का प्लास्टर अचानक भरभरा कर गिर गया। इस दौरान कक्ष में बैठक चल रही थी, और परियोजना अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। घटना में परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक सहित तीन महिला कर्मचारी घायल हो गये। आननफानन में तीनों को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर ले जाया गया, यहां इनका उपचार हुआ। बता दें कि, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सरगुजा जिले के सीतापुर में स्थित एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना कार्यालय भवन काफी जर्जर हालत में है। बारिश के दौरान अक्सर छत का प्लास्टर गिरते रहने की खतरे की स्थिति बनी रहती है। बताया जा रहा है कि, गुरुवार की दोपहर महिला एवं बाल

विकास विभाग की परियोजना अधिकारी सिब्रिया केरकेट्टा अपने कार्यालयीन कक्ष में कर्मचारियों के साथ बैठक में थीं, इस दौरान बारिश भी हो रही थी। इसी बीच अचानक छत का प्लास्टर उनके ऊपर भरभराकर गिर गया, इसके चपेट में परियोजना अधिकारी के अलावा पर्यवेक्षक और कर्मचारी शिखा साहू आ गईं। परियोजना अधिकारी के सिर में वहीं अन्य 2 महिला कर्मचारियों के पैर में चोटें आईं हैं। इस घटना के बाद कार्यालय में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। तीनों को सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, यहां इन्हें समुचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई है। घटना के बाद कर्मचारियों ने कहा कि कार्यालय भवन काफी समय से जर्जर है। समय-समय पर कार्यालय भवन के संधारण की ओर ध्यान नहीं देने से बारिश के समय छत से सिपेज भी होता है, ऐसे में खतरे की स्थिति बनी रहती है। अनवरत बारिश होने की स्थिति में कार्यालयीन दस्तावेजों को संभाल पाना मुश्किल होगा। इस घटना को संज्ञान में लेकर जिला प्रशासन को सरकारी भवनों की स्थिति से अवगत होना होगा, ताकि जिले में कहीं और ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न होने पाये, और सुरक्षित माहौल में कर्मचारी काम कर सकें।

शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव: राजेश अग्रवाल

शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत, अध्ययन सामग्री व सायकल भेंट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को सरगुजा जिले के पी.एम. श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर, अध्ययन सामग्री वितरित कर तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र के सफल एवं प्रेरणादायी होने की मंगलकामना की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज के विद्यार्थी ही कल के सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माता बनेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विस्तार कर रही है, ताकि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ सके। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को जीवन का आधार बनाने

का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है।

पी. एम. श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में मंत्री राजेश अग्रवाल ने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कहा कि साइकिल वितरण जैसी योजनाएं बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों व इनमें छिपी प्रतिभा की मंत्री राजेश अग्रवाल ने सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ और हरित पर्यावरण भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी विद्यार्थी परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बने प्रवीण

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश एवं जिला नेतृत्व द्वारा प्रवीण गुप्ता को भाजपा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, जिला बलरामपुर का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान्न वितरण एवं आतिशबाजी करके प्रसन्नता व्यक्त की।

नवनियुक्त जिला संयोजक प्रवीण गुप्ता ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ जनसमस्याओं के निराकरण एवं जनसेवा को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रवीण गुप्ता लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे भाजपा नगर अध्यक्ष, भाजपा युवा मोर्चा कार्यालय मंत्री, भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। वर्तमान में वे नगर पालिका परिषद बलरामपुर के पार्षद के रूप में कार्यरत हैं। इनकी नियुक्ति पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में नगरीय निकाय प्रकोष्ठ को मजबूती मिलेगी।

बैंक में आने वाले उपभोक्ता अनजान लोगों के बीच गोपनीय जानकारी साझा ना करें

सरगुजा पुलिस ने राष्ट्रीयकृत, निजी बैंकों, एटीएम में पहुंची पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के समस्त राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों, एटीएम में सघन चेकिंग अभियान सरगुजा पुलिस ने चलाया। इस दौरान विभिन्न थाना, चौकी की पुलिस टीम ने बैंकों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, संदिग्ध गतिविधियों पर भी पुलिस की नजर रही। पुलिस टीम ने बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों, अलार्म, फायर कंट्रोल सिस्टम और अन्य सुरक्षा उपकरणों के कार्यप्रणाली की जांच की।

बता दें कि, बैंकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं आपराधिक घटनाओं के प्रभावी रोकथाम हेतु डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल द्वारा जिला मुख्यालय समेत जिले के समस्त थाना, चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना व चौकी अंतर्गत स्थित राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों एवं एटीएम की औचक चेकिंग कर प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश देने निर्देशित किया है। इसके पालन में शुक्रवार को जिले के समस्त थाना, चौकी प्रभारियों ने जिले के समस्त बैंकों एवं एटीएम का गहन निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस टीम ने सघन चेकिंग अभियान के दौरान बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम और अन्य सुरक्षा उपकरणों

के कार्यप्रणाली की जांच की, बैंक के बाहर, भीतर बेवजह घूम रहे व्यक्तियों से पूछताछ की गई और बैंक से जुड़े काम के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। बैंक प्रबंधकों को बैंक के सुरक्षा गार्डों के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने बैंक आए ग्राहकों से भी अपील की, वे लेन-देन के दौरान सतर्क रहें और किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी गोपनीय जानकारी साझा न करें। थाना चौकी क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने और बैंक एवं उपभोक्ताओं के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए उक्त सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर